जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 80 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 10 अक्टूबर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

हरियाणा के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत वहाँ क्या कर रहे थे, चुनाव के दौरान?

जब पार्टी के विद्रोही, हरियाणा में बगावत पर आमादा थे तो क्या इस वरिष्ठ पर्यवेक्षक ने पार्टी के ज़मीनी हालात से हाईकमान को अवगत कराया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। यह प्रश्न नई दिल्ली से चंडीगढ़ और जयपुर तक पूछा जा रहा है कि हरियाणा चुनाव के दौरान पार्टी के सामने आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिये, हरियाणा के लिये पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत आखिर क्या कर रहे थे।

जब पार्टी महासचिव तथा हरियाणा प्रभारी बीमार थे तथा कोमा में थे, तो उस स्थिति में, विद्रोहियों, जो पार्टी को नुकसान पहुँचा रहे थे, को संभालने के लिये, उनसे निपटने के लिये पर्यवेक्षकगण क्या कर रहे थे, तथा जो कुछ कुछ जमीनी स्तर पर हो रहा था, नेतृत्व को उसकी क्या जानकारी दी जा रही थी?

अशोक गहलोत और अजय माकन जैसे पर्यवेक्षक कहीं भी दिखाई या सुनाई नहीं दे रहे थे। किसी को भी नहीं मालूम, कि वे क्या कर रहे थे।

क्या गहलोत केवल किसी पद की फिराक में थे ताकि वे दुनिया को दिखा सकें कि उनका राजनैतिक अस्तित्व खत्म नहीं हुआ है?

- क्या अशोक गहलोत का हरियाणा जाने का मकसद केवल यह था कि जनता में यह मैसेज जाये कि वे पार्टी में अभी भी राजनीतिक दृष्टि से लुप्त नहीं हुए हैं, अभी भी अहमियत रखते हैं।
- यह ही स्थिति, दूसरे पर्यवक्षेक अजय माकन की थी।
- कुछ ऐसे ही सवाल के.सी. वेणुगोपाल के बारे में पूछे जा रहे हैं। जैसा कि विदित ही है, वेणुगोपाल को राहुल गांधी ने अपनी ''पावर ऑफ एटॉर्नी'' दे रखी है, उन्होंने हरियाणा में पाँच टिकट दिलवाये थे तथा पाँचों उम्मीदवार वहाँ हारे।
- अगर राहुल गांधी को पार्टी का सर्वोच्च नेता बने रहना है तो उन्हें अपने ''घर'' को संभालना होगा और उन सब पुराने लोगों को हटाना होगा जो आज के संदर्भ में मायने नहीं रखते और पार्टी के हित के खिलाफ काम कर रहे हैं। राहुल पार्टी का संचालन आउट सोर्स कर सकते हैं, अपने चाटुकारों को, उन्हें ''हैण्ड्स ऑन अप्रोच'' अपनानी पड़ेगी तथा पार्टी की मैली राजनीति में अपने हाथ गंदे करने पड़ेंगे।

और भूपिन्दर सिंह हूडा, जो उनके पुराने मित्र हैं, जैसे वरिष्ठ नेताओं द्वारा उन्हें क्या संरक्षण/प्रोत्साहन दिया जा रहा था।

वेणुगोपाल, राहुल गांधी द्वारा पावर ऑफ अटॉर्नी दे दिये जाने के कारण, पार्टी में सत्ता के एकमात्र केन्द्र बने हुये हैं। उन्होंने पांच लोगों को टिकट दिये थे तथा वे सब के सब चुनाव हार गये। इनमें एक महिला भी शामिल हैं, जो उनके निकट मानी जाती हैं, वे चौथे नम्बर पर रही हैं।

इस बड़ी पराजय के बाद, राहुल को अपने घर को व्यवस्थित करने की जरुरत है तथा फालतू लोगों, भाजपा-एजेंटों, अक्षम लोगों को हटा देने की जरुरत है, जो पार्टी हित के विरुद्ध काम कर रहे हैं।

अगर राहुल सर्वमान्य नेता बने रहना चाहते हैं तो उन्हें पार्टी के जिम्मेदारी पूर्ण काम बाहर के लोगों तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

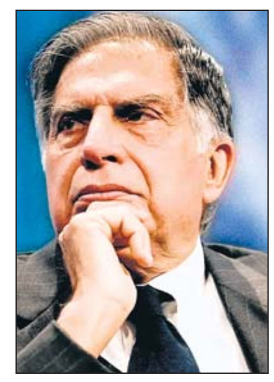

रतन टाटा नहीं रहे

मुंबई, 9 अक्टूबर। मशहूर उद्योगपति रतन टाटा का निधन हो गया है। उन्होंने 86 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उनका मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, श्री रतन टाटा जी एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। इससे पहले 7 अक्टूबर को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रतन टाटा ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेंसिव

- टाटा समूह के चेयरमैन 86 वर्षीय रतन टाटा ने मुबंई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अप्रत्याशित हार के बाद अपमान के घाव भी मिल रहे हैं कांग्रेस को

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने कांग्रेस को आँखे दिखानी शुरु कर दी हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इस समय कांग्रेस केवल भाजपा से मिले चुनावी आघात एवं जख्म से ही नहीं, बल्कि इंडिया ब्लॉक के गठबंधन पार्टनरों से काफी हद तक अपमानित महसूस कर रही है।

हरियाणा में अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, भाजपा को सत्ता से हटा पाने की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में कांग्रेस के असफल रहने के बाद, इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने इस 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' के विरुद्ध बड़े बोल बोलने शुरु कर दिए हैं। अरविन्द केजरीवाल की आप ने घोषणा कर दी है कि वह आगामी दिल्ली चुनाव अपने बलबूते पर लड़ेगी। उधर, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. की गठबन्धन पार्टनर शिव सेना ने अपने मुखपत्र ''सामना'' में अत्यन्त कटु सम्पादकीय लिखा है। सम्पादकीय कांग्रेस की आलोचना करते हुये कहता है कि कांग्रेस ने ''आन्तरिक अनबन'' और अति आत्मविश्वास एवं अधिकार मान लेने की भावना'' के फलस्वरुप, हरियाणा की स्पष्ट एवं सहज जीत का अवसर गँवा दिया है। उद्धव ठाकरे एम.वी.ए. के दोनों पार्टनरों पर दबाव बनाये हुये हैं कि महाराष्ट्र के चुनावों से पहले मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया जाये। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अखिलेश यादव ने भी कांग्रेस नेताओं से चर्चा किये बिना ही, इसी साल होने वाले 10 विधानसभा उपचुनावों की 10 में से 6 सीटों के लिये उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। आठ अक्टूबर को हुई चुनाव परिणामों की घोषणा को एक दिन भी नहीं हुआ, और घटनाक्रम ऐसे संकेत देने लगा है कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को हुआ लाभ, तथा उसके बाद, राहुल गांधी का नेता, प्रतिपक्ष बनना, इन दोनों ही उपलब्धियों का महत्व अब कम होने लगा है। इस अर्थ में, कांग्रेस की हरियाणा में हुई हार कांग्रेस के लिये राष्ट्रव्यापी महत्व रखती है तथा यह हार इस सोच को भी मजबूत कर रही है कि कांग्रेस जीती हुई लड़ाई भी हार जाती है।

- लोकसभा चुनावों के अच्छे प्रदर्शन और फिर राहुल गांधी के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद कांग्रेस फूली नहीं समा रही थी तथा सहयोगी दल कुछ शांत से थे। हरियाणा चुनावों की हार से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को कांग्रेस पर उंगली उठाने का मौका मिल गया है।
- आप ने कह दिया है कि वो दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। वहीं सपा ने भी यू.पी. की दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए 6 सीटों पर प्रत्याशियों की एकतरफा घोषणा कर दी।
- महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने अपने मुख पत्र सामना के संपादकीय में कांग्रेस की कड़ी आलोचना की।

जम्मू-कश्मीर में इंडिया ब्लॉक की निर्णायक जीत का जिक्र करते हुये, ''सामना'' के सम्पादकीय में कहा गया है कि आप जैसे मित्र दलों से परामर्श न करना, हरियाणा में कांग्रेस के लिये महँगा साबित हुआ है। जहाँ तक आप नेताओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

के.एस. मोटर्स प्रा. लि.: एम. आई. रोड: 7574808728, वैशाली नगर: 07942530977, वी.के.आई. रोड़ नं0 5: 9783384408, (ब्रांच):- कोटपुतली: 8852884871, 9166409090, शाहपुरा: 9001238949, 9461671901, लालसोट: 9414570752, महुआ: 9829552732, बस्सी: 7574808728, दूदू: 9929236333, विराटनगर: 9929373114, बांदीकूई: 9414517132, जोबनेर: 8094582000, जैतपुरा: 9460466992, 9828150910, दौसा: 8233279427, 9414045855, जयपुर: ऑटो वर्ल्ड टोंक रोड, प्रतापनगर: 8929653907, राजापार्क: 8929653907, (ब्रांच):- सवाईमाधोपुर: 8929653907, गंगापुरसिटी: 8929653907, टोंक: 8929653907, अलवर: जे.एस. फोरव्हील मोटर्स प्रा. लि. अलवर, बहरोड़, करौली: 8302658892, भिवाड़ी: 9289464947, धौलपुर/भरतपुर: 9625374409, सीकर: गहलोत मोटर्स प्रा. लि. सीकर: 9414039978, 9983086958, श्रीमाधोपुर: 7412074594, झुंझुनूं: 9414059948, उदयपुरवाटी: 9414039952, चिड़ावा: 7412049988, खेतड़ी: 9983560927, नीम का थाना: 9414033482, बीकानेर: बीकानेर मोटर्स प्रा. लि. बीकानेर/चूरू/सुजानगढ़: 8527241179, उदयपुर: के.एस. ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. उदयपुर: 7574808555, आईओसी पेट्रोल पम्प, गोवर्धन विलास, उदयपुर: 9001317899, प्रतापगढ: 7727087373, 9001897397, बांसवाड़ा: 7727011069, 9773316278, 9773318630, 9773326964, 9950207844, डूंगरपुर: 9001297956, 8233009909, सागवाड़ा: 7726006927, 9929958164, चित्तौड़गढ़: 8003093548, 8233009810, 9001799790, 9773396753, 9116629684, प्रतापगढ़: 7727087373, 9001897397, रावतभाटा: 8233009810, आबूरोड़: 9116504111, 9928040209, सिरोही: 9929958177, 7727083939, 8529080964, भीलवाड़ा: भीलवाड़ा एग्रो ऑटो सर्विस (प्रा.) लि. भीलवाड़ा/बिजोलिया/राजसमन्द/भीम: 8875016206, कोटा: एवरग्रीन मोटर्स कोटा: 9654126004, 9928911655, क्यूब: 9654126004, 9829029755, बूंदी: 9654126004, 9829226555, बारां: 9654126004, 9829226655, झालावाड़: 9654126004, 9928922755, अजमेर: परम ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. अजमेर: 9205995747, किशनगढ़: परम महिंद्रा किशनगढ़: 9205995747, 9521815789, नागौर: नागौर ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. नागौर: 7291983310, 8003899701, (ब्रांच) मेड़ता : 7291983310, 9414119003, डेगाना : 7291983310, 9414603205, कुचामन सिटी : 7291983310, 9413385702, डीडवाना : 7291983310, 9829146228, छोटी खाटू : 8239343536, लाडनूं: 7291983310, 9314014841, गंगानगर: वी. डी. मोटर्स प्रा. लि. श्रीगंगानगर: 9672078696, 9672078697, 9414093025, 9414093041, सूरतगढ: 9672064445, 9414093016, अनूपगढ़: 9414093027, हनुमानगढ़: 9214093020, 9672064447, 9672058887, नोहर: 9672028885, जोधपुर: ओ. एस. मोटर्स जोधपुर: 9413078666, 7791960164, बाड़मेर: 7023067805, बालोतरा: 9664251725, जैसलमेर: 7340105190, फलोदी: 9413660844, पाली: 9610078677, सुमेरपुर: 9784839760, जालौर: 9772708668, भीनमाल: 9829809490, सांचौर: 9602664390, जैतारन : 9024835145, बासनी : 9829433352

विचार बिन्दु

अविश्वास आदमी की प्रवृत्ति को जितना बिगाड़ता है, विश्वास उतना ही बनाता है। -धर्मवीर भारती

पोल की पोल खुल गई

हरियाणा चुनाव के नतीजों नें कई ख्यातनाम राजनीतिक समीक्षकों व एंकर्स की व बनावटी-ठकुर सुहाते एग्जिट पोल्स की पोल खोल कर रख दी। इस लेखक के एक मोटी बात समझ में आई कि भारत की राजनीति में सफलता की कुंजी है कि या तो समाज को विभिन्न जातियों में बांटो, एक दूसरी के विरुद्ध करो या फिर जातीयों का गठजोड़ करो।

हरयाणा के परिणामों में यह साफ झलकता है। एक बड़ी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जाती को यथासम्भव थोड़ा बहुत बांटो और अन्य कम जनसंख्या वाली जातियों को उसके विरुद्ध भड़काओ।जिस पार्टी नें ऐसा सफलतापूर्वक किया वह सत्तासीन हो गई और जो यह नहीं समझ सकी वह को दोष देकर खीज मिटा रहे है।

कांग्रेस की दयनीय स्थिति पर, नीतियों के खोखले पन पर तथा नेताओं के परिवारवाद व अहंकार के सम्बंध में इस लेखक का 29 मार्च, 2022 के राष्ट्रदूत में लेख प्रकाशित हुआ था, जो वर्तमानं में भी प्रसांगिक है। लेख का शीर्षक इस प्रकार है::--

आम आदमी प्रश्न पूछते है कि वह कांग्रेस से क्यों जुड़ा रहे या कोई नया व्यक्ति उस से क्यों जुड़े?

तब की जनसंघ व अब की भाजपा छोटी पार्टी थी तब इन्हें प्रतिक्रिवादी पार्टीयां कहा जाता था क्योंकि वे सरकार की हर अच्छी-बूरी योजना, कदम की आलोचना ही करती थी। यद्यपि इन पार्टियों ने कुछ मुद्दे ऐसे भी पकड़ रखे थे जिन्हें वे अपने हर चुनावी मैनिफेस्टो में दोहराते रहे है, जैसे- धारा 370, समान नागरिक संहिता व अन्य। जनसंघ, भाजपा की इन मुद्दों पर स्पष्टता थी, चाहे तत्समय आम जन मानस उसे स्वीकार नहीं करता था।

वर्तमानं में कांठोस वैसा ही कुछ कर रही है जैसा किसी जमाने में जनसंघ, भाजपा करती थी।

आज, आम जन को प्रभावित, आकर्षित करने के लिए कांग्रेस की कोई स्पष्ट और भाजपा से बहुत ज्यादा भिन्न विचारधारा नजर नहीं आती सिवाय उलझी सी धर्म निरपेक्षता पर कांग्रेस की राय के। यह राय भी भाजपा की ''सब का साथ, सबका विश्वास, सब का विकास'' नीति के सामने कुंद होती नजर आती है। जनसंघ, भाजपा उस समय छोटी पार्टियां जरूर थी किन्तु हर समय 20,30,50 लोगों के साथ ही सही, गली मोहल्लों में, आम आदमी से जुड़े बिजली, पानी, दफ्तरों में छोटे-मोटे भ्रष्टाचार के मुद्दों पर संघर्ष करती हुई, अपनी मौजदगी दर्ज कराती दिखती थी।

कांग्रेस प्रवक्ताओं के तो बड़े ही अजीब तर्क हैं--कभी बीजेपी के भी दो संसद थे, हमने उन्हें यहां हराया-वहां हराया-फिर हराएंगे-ध्रुवीकरण से जीते है, हिंदु-मुसलमान करके जीते--क्या इन तर्कं से कांग्रेस का रिवाइवल हो जाएगा? नहीं। कांग्रेस के बड़े से बड़े नेताओं को सड़कों पर आना होगा--आगे कांग्रेस क्या करेगी, क्या विजन है, यह जनता को बताना होगा।

मात्र सरकार की आलोचना, प्रतिक्रियाएं देने से तो कम नहीं चलने वाला

आज भाजपा की यूएसपी मुख्यत: वे योजनाएं है जो किसी जमाने में कांग्रेस ने शरू की। टार्गेटेड राशन योजना कांग्रेस की देन किन्तु गरीब के राशन की चोरियां होती थी, इस से कोई इनकार नहीं कर सकता। आधार और पोश मशीन के कारण, अब इन चोरियों पर अंकुश लगा है। गरीब का राशन अब भी डीलर इधर-उधर करता है किंतु उसकी सहमति से।

मनरेगा एक्ट व योजना कांग्रेस की देन। नि:सन्देह एक अत्यंत अच्छी योजना थी किन्तु इसे कांग्रेसी नेताओं, कार्यकर्ताओं नें सभा, रैलियों में भीड़ इक्कठा करने का साधन बना लिया। कांग्रेस के मंत्री तक यह स्वीकार करते हैं। मस्ट्रोल्स में फर्जी नाम, बिना काम किए नाम होना, बिना काम हुए ही मस्ट्रोल्स भरना, पँचायत स्तरीय गुट बाजी के आधार पर अनावश्यक कामों का चयन और आवश्यक कामों का चयन न करने की आम शिकायतें थी। इन तरीकों से, इसमें पंचायत स्तर से लेकर ऊपर तक गबन होता था।

वही योजना अब भी लागू है, छोटा-मोटा भ्रष्टाचार अब भी है किंतु आधार और बैंक खातों में सीधे भुगतान नें उस पर अंकुश लगा दिया। कांग्रेस कहती रहे कि भाजपा सरकार ने मनरेगा बजट कम कर दिया वगैरा वगैरा, पर जनता ऐसी बातें अस्वीकार कर रही है।

स्वच्छ भारत योजना भी, टोटल सैनिटेशन कम्पेन के नाम से यूपीए सरकार में चल रही थी, किन्तु भाजपा सरकार ने इसे एक अभियान का रूप देकर घर-घर पहुंच दिया। सरकारी सहायता, न्यूनतम भ्रष्टाचार के साथ बेनेफसीयरी के पास सीधे बैंक खाते में पहुंच गई। कांग्रेस केवल यही आलोचना करती रही कि बिना पानी शौचालय किस काम के। ऐसी आलोचनाओं को आम आदमी अस्वीकार कर देता है।

भ्रष्टाचार समाज, देश, आमआदमी के लिए नासूर बन चुका। कांग्रेस की सरकारों का रिकार्ड इस बिंदु पर उज्ज्वल नहीं। कांग्रेस कुछ भी कहेगी, जनता बमुश्किल विश्वास करेगी। गिनी चुनी 1,2 जो सरकारें हैं, उनकी कार्यप्रणांली साफ करके इरादे तो जाहिर करें। राजस्थान में तो मंत्री तक मानते है कि''---इस प्रकार के काम बिना भ्रष्टाचार के सम्भव नहीं--'' यदि कांग्रेस के बड़े-छोटे नेता दैनिक समाचार पत्र पढ़ते हैं तो मन में तो वे भी मानते होंगे कि यहां नीचे से लेकर ऊपर तक भयंकर भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

आधार नम्बर की योजना के क्रियान्वयन को परवान चढ़ाया कांग्रेस नें। कई ख्यातनाम भाजपाइयों ने इसका पानी पी पी कर विरोध किया। सत्ता में आते ही उन्ही नेताओं ने इसके महत्व को समझा और आम आदमी के हित में उसका व्यापक स्तर पर उपयोग कर लिया। आम आदमी को मिलने वाली सारी सरकारी सहायताएं जैसे छात्रवृतियां, प्रधान मंत्री आवास योजना, प्रसूता सहायता, किसान सम्मान निधि राशि आदि आदि, सीधे बेनेफिसियरी के खाते में नकद, बिना बिचोलियों और छिज्जत के जाने लगी। किसको अच्छा नहीं लगेगा।

आम आदमी के लिए लोकतंत्र का मतलब चुनाव और उसके नजरिये से चुनाव हो रहे तो लोकतंत्र सुरक्षित। संस्थाएँ मतलब पँचायत, राशन डीलर, तालुका-जिला दफ्तर और वहाँ उसका काम बिना टके पैसे हो जाए तो संस्थाएं सही हैं। उसके आगे बड़े-बड़े वक्त कुछ भी कहें कि लोकतन्त्र-संस्थाएँ खतरे में, आम आदमी के लिए सब महत्वहीन है। कांग्रेस-विपक्ष समझे इस बात को।

आम आदमी प्रसन्न है, उसे उपरोक्त कामों के लिए किसी के आगे हाथ जोड़ते नहीं फिरना पड़ता। वह इसका श्रेय भाजपा को देता है। कांग्रेसी नेता गाला फाड़-फाड़ कर कहते रहें कि योजना उन्होंने शुरू की पर इनका सफल क्रियान्वयन कर भाजपा नें सिद्ध कर दिया--''जो सही ढंग से लागू करे सो आम खाए''।

आज भाजपा टीवी चैनल्स के माध्यम से, अपने गिने-चुने छुटभैये नेताओं से नैरेटिव सेट करवाती है, कांग्रेस उस पर उतावलेपन से रियेक्ट कर फंसती है। तीन तलाक के मुद्दे पर जहां भजपा स्पष्ट थी, कांग्रेस लगातार ढुलमुल दिखी।

हिंदुत्व के मुद्दे पर अनावश्यक बयानबाजी कर फंसती है जबकी आम आदमी अच्छी तरह जानता है धर्म क्या है और धर्म का सत्ता के लिए दुरुपयोग क्या है? सोची समझी रणनीति के अनुसार, काऊ विजिलेंट्स, मोब लिंचीन, पशुधन परिवहन व इसी प्रकार के धार्मिक भावनाओं से जुड़े मुद्दों को समय समय पर आवश्यक्तानुसर उछाला जाता है और कुछ समय बाद उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। इन पर कांग्रेस की कोई धरातलीय नीति, कार्ययोजना नही है और न जो एलिमेंट्स ऐसा करते है उनका सशक्त विरोध की क्षमता है। कांग्रेस का सेवादल संगठन निष्क्रिय सा है। यह संगठन बजरंग दल, गौ रक्षा दल व अन्य ऐसे संगठनों का कैसे सामना कर सकता है?

शाहबानो केस, बाबरी मस्जिद ताला खोलने पर कांग्रेस नें गलतियां की-परिणाम भुगत रही है। धार्मिक उन्माद व दंगे के मुद्दे भी कांग्रेस को सहायता नहीं कर सकते क्योंकि कांग्रेस का भी दामन साफ नहीं है।

कांग्रेस की लगातार चुनावी हार के लिए केवल राहुल गांधी की ओर अंगुली उठाना भी, सत्यता से मुंह मोड़ना है। माना की राहुल गांधी धुँवाधार भाषण नहीं दे सकते किन्तु जो अंगुली उठा रहे है, वे नेता क्या करते रहे है? के डर से सब दड़बों में छुपे है--राहुल, कम से कम, निर्भीकता से मुद्दे उठा तो रहे है।

भाजपा नेताओं के भाषणों में हर छोटी-बड़ी उपलब्धि का श्रेय मोदी जी को आदर के साथ दिया जाता है, कांग्रेस से अपने पूर्वप्रधानमंत्री नरसिम्हा राव व मनमोहन सिंह ऐसे आदरभाव का अभाव रहा।

क्या हो कांग्रेस की नई यूएसपी???? वर्तमानं सरकार की लोक हित नीतियों की मात्र आलोचना या उन्हें बन्द करने की बात नई यूएसपी नहीं हो सकती। मंहगाई का गली मोहल्लों तक विरोध हो सकती है बशर्ते इसे नियंत्रण का स्पष्ट रोड़ मैप साथ हो। अनेक कलिष्ट कानूनों का सरलीकरण, अनावश्यक कानूनों को समाप्त करना, लोकसभा-विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना, सरकारी नौकरियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 50 प्रतिशत करना, सरकारी कामकाज में निर्णय बिना किसी प्रकार के धार्मिक अधरों पर तुष्टिकरण के करने का वादा, त्वरित न्याय सुलभ करवाना, इसका रोड मैप---किसान कल्याण के लिए एमएसपी, इसे मंहगाई से जोड़ कर सतत रिवीजन हो और एमएसपी न मिलने से किसानों पर बढ़े कर्जे पर स्पष्ट नीति रखें-कृषि का बड़े स्तर पर विविधीकरण हो--कृषि जुड़ी नीतियों के निर्माण व क्रियान्वयन के साथ किसानों के संगठनों को जोड़ा जाए,उनकी राय ली जाए।

सैनिक कल्याण, कर्मचारी कल्याण, श्रमिक कल्याण, जनअभव -अभयोग निराकरण, निजीकरण, शिक्षा-पाठ्य पुस्तकों आदि पर स्पष्ट नीतियां घोषित करे, मात्र खाना पूर्ति वाली नीतियां, योजनाएं नहीं।

भ्रष्टाचार समाज, देश, आमआदमी के लिए नासूर बन चुका। कांग्रेस की सरकारों का रिकार्ड इस बिंदु पर उज्ज्वल नहीं। कांग्रेस कुछ भी कहेगी, जनता बमुश्किल विश्वास करेगी। गिनी चुनी 1,2 जो सरकारें हैं, उनकी कार्यप्रणांली साफ करके इरादे तो जाहिर करें। राजस्थान में तो मंत्री तक मानते है कि''---इस प्रकार के काम बिना भ्रष्टाचार के सम्भव नहीं--'' यदि कांग्रेस के बड़े-छोटे नेता दैनिक समाचार पत्र पढ़ते हैं तो मन में तो वे भी मानते होंगे कि यहां नीचे से लेकर ऊपर तक भयंकर भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

आज कांग्रेस के बारे में आम धारणा यह है कि यह केवल ट्विटिया, सोशल मिडिया पर पोस्ट्स तक सीमित, जागीरदारों की पार्टी मात्र है जहां आम कार्यकर्ता को कहा जाता है 25 साल रगड़ाई होगी तब कांग्रेस की रीतिनीति समझ आती है और तब बात सुनी जाएगी। आज का युवा क्यों आकर्षित हो ऐसी पार्टी की ओर जहां छोटे बड़े सारे पद परिवारों, रिश्तेदारों और पूर्णत: जागीरदार नेताओं पर आश्रितों लिए आरक्षित हों ?

-अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

आखिर कब रुकेंगे सड़क हादसे....

अविनाश जोशी

सड़क हादसे जिंदगी की रफ्तार को रोक देते हैं। परिवार टूट जाते है एवम कई बार तो यह प्रश्न होता है की आगे की जिंदगी कैसे जी जाएगी। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जिस दिन देश के किसी भी भाग में सड़क हादसा न हो और कुछ लोगों को जान से हाथ न धोना पड़े। अमूमन सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होने वाले आम जन होते हैं। इसलिए वे अखबारों की सुर्खियां नहीं बन पाते, जिससे उन दुर्घटनाओं पर लोगों का ध्यान भी नहीं जाता है। अनुमानत हमारे देश में हर मिनट में एक सड़क दुर्घटना होती है और हर तीन मिनट में सड़क दुर्घटना में एक जान जाती है। दुनिया में सबसे ज्यादा सड़क हादसे भारत में ही होते हैं। जबकि चीन, रूस और अमेरिका जैसे कई देशों में भारत की अपेक्षा कहीं अधिक संख्या में कारें हैं। दुर्घटनाओं पर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े दिल दहलाने वाले हैं। पिछले दस साल में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में लगभग चालीस प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इस अवधि में आबादी में सिर्फ बारह प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ज्यादातर मौतें दो-पहिया वाहनों की दुर्घटना में हुई हैं और तेज व लापरवाही से वाहन चलाना उनकी वजह रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार 2021 की तुलना में सड़क दुर्घटना 11.9 फीसद, इसमें मृत्यु 9.3 फीसद और स्थायी अपंगता 15.3 फीसद की दर से बढ़ी है। राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस हाइवे पर दुर्घटना दर 36.2 फीसद और राज्य मार्गों पर 39.4 फीसद है। इन दुर्घटनाओं में मरने वाले 83.3 फीसद अपने परिवार को पालने वाले कामकाजी लोग थे।

आज के युग में विज्ञान ने मनुष्य का जीवन अत्यंत सरल बना दिया है उससे उतना कठिन परिश्रम नहीं करना पड़ता जितना पहले करना पड़ता था हर क्षेत्र में आज मनुष्य वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग करता है वाहन भी विज्ञान की ही देन है जिसके माध्यम से आज हम एक दूसरे स्थान तक आसानी से पहुंच जाते हैं परंतु इन्हीं भावनाओं के कुछ नुकसान भी है वायु को दूषित करने के अतिरिक्त सड़क दुर्घटना भी इन्हीं वाहनों की देन है। सड़क सुरक्षा के मानकों का महत्त्व समझना और समझाना दोनों जरूरी है, क्योंकि देश में सड़क नेटवर्क का तेजी से हो रहे विस्तार, गाड़ियों की संख्या में हो रही वृद्धि और शहरीकरण का नकारात्मक पक्ष सड़क दुर्घटनाओं के रूप में सामने आ चुका है। सड़क हादसों में होने वाली मौतें और अपंगता की बढ़ती संख्या ने यह सोचने पर विवश किया है कि क्या विकास की धुरी मानी जानी वाली सड़कें मौत का प्रमुख कारण और जगह बनती जा रही हैं?

हमारी सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। इस पर नियंत्रण के उचित कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही वाहनों की सुरक्षा के मानकों की समय-समय पर जांच होनी चाहिए। भारी वाहन और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को परमिट दिए जाने की प्रक्रिया में कड़ाई बरती जाए। ड्राइविंग लाइसेंस के लिए न्यूनतम शैक्षिणक योग्यता भी तय की जाए, साथ ही छोटे बच्चों और किशोरों के वाहन चलाने पर कड़ाई से रोक लगे। तेज रफ्तार, सुरक्षा बेल्ट का प्रयोग न करने वालों और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। स्कूलों में भी सड़क सुरक्षा से जुड़े जागरूकता अभियान चलाए जाएं, तभी भारत में सड़कों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर रोक लग पाएगी।

शहरों में लालबत्ती पार करने, अधिक रफ्तार से गाड़ी चलाने और आगे निकलने की प्रवृत्ति आम है। यह दुर्घटनाओं को आमंत्रित करने जैसा है। इससे सैकड़ों लोग घायल होते और मरते हैं। इसमें यातायात पुलिस की लापरवाही कम जिम्मेदार नहीं है। वहीं हादसा होने के बाद घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाने में हुई देरी घायल व्यक्ति की मौत का बड़ा कारण है, मगर आम लोग घायल व्यक्ति की मदद के लिए आगे नहीं आते। राज्य सरकार की तरफ से घायल को तत्काल चिकित्सा और राहत पहुंचाने वाली सुविधाएं भारत में बहुत कम हैं। इससे भी घायल व्यक्ति की मौत असमय हो जाती है।

पिछले कुछ सालों में भारत सरकार ने सड़क सुरक्षा संबंधी कई उपाय किए हैं। उनमें सुरक्षित बुनियादी ढांचे को प्रोत्साहित करना, जागरूकता पैदा करना, सुरक्षा कानूनों का प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा सूचना का डेटाबेस तैयार करना जैसे उपाय शामिल हैं। इसके कुछ सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। मगर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं ने इन सारे उपायों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। वजह है कि इन उपायों का पालन ठीक से नहीं कराया जा रहा है। कठोर कानून के बावजूद लोगों को उसका भय नहीं सतता, जिसका परिणाम प्रतिदिन सैकड़ों सड़क हादसों के रूप में सामने आता है। विडंबना ही कही जाएगी कि जो सुझाव सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात विशेषज्ञों द्वारा दिए जाते रहे हैं उन्हें मुस्तैदी के साथ पालन कराने के लिए यातायात पुलिस कुछ दिन तो काम करती है, लेकिन धीरे-धीरे फिर वही पुराना ढर्रा कायम हो जाता है। वरना क्या कारण है कि भारत में ही सबसे अधिक सड़क हादसे होते हैं?

विश्व के कुल वाहनों का महज दो फीसदी भारत में हैं, पर सड़क हादसों में होने वाली मौतें बारह फीसदी से ज्यादा हैं। दुनिया के तमाम देशों ने अपने कड़े सड़क कानून और जनजागरूकता अभियानों के जरिए सड़क हादसों में वृद्धि नहीं होने दी, लेकिन पिछले बीस सालों में सड़क दुर्घटनाओं की वजह से भारत में पचहत्तर फीसद से ज्यादा की वृद्धि हो चुकी है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत में कितना सड़क कानूनों का पालन किया और कराया जाता है। सड़क सुरक्षा पर जारी की गई विश्व स्थिति रिपोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामले की मुख्य पांच वजहें बताई हैं। इनमें सीमा से ज्यादा तेज गाड़ी चलाना, नशे में गाड़ी चलाना, सुरक्षा पेटी न बांधना, दुपहिया चलाते वक्त हेलमेट न पहनना और बच्चों की सुरक्षा के उपायों की अनदेखी शामिल है।

इंटरनेशनल रोड फेडरेशन के मुताबिक नब्बे फीसदी हादसे ड्राइवर की गलती की वजह से होते हैं। इस पर यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या ड्राइविंग लाइसेंस देते वक्त कायदे से जांच-परख की जाती है? क्या सुरक्षा मानकों पर गाड़ियों की कड़ी जांच-पड़ताल होती है? ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर क्या और सख्ती होनी चाहिए? भारत में रोज तेरह सौ से ज्यादा सड़क हादसे होते हैं और हर दिन सड़क हादसों में करीब चार सौ मौतें होती हैं। सड़क हादसों में सालाना करीब बीस अरब डॉलर का नुकसान होता है। भारत में बारह करोड़ से ज्यादा वाहन हैं और इनके चलने के लिए पर्याप्त सडकें होना जरूरी है। सवाल यह है कि क्या सड़क हादसों में होने वाली मौतों को रोका जा सकता है?

जिस तरह देश-समाज की सुरक्षा वाले कानूनों का पालन महज दिखावा बन कर रह गया है वैसे ही यातायात नियमों की अनदेखी एक प्रवृत्ति बन गई है। यातायात नियमों का पालन, अतिरिक्त सावधानी, वाहन को नियंत्रित सीमा में रखना, पैदल यात्रियों का सड़क पार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना, सड़कों को मानक रूप में बेहतर बनाए रखना और 'ओवरटेक' करने से बचना जरूरी है। सड़क सुरक्षा सप्ताहों में जिस तरह पुलिस यातायात नियमों के पालन के लिए लोगों को जागरूक और बाध्य करती है, वैसी जागरूकता हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाए, तो हादसों में कमी लाई जा सकती है।

-अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

रूपनगढ़ चिकित्सालय में लाखों की सोनोग्राफी मशीन धूल फांक रही है

चिकित्सा विभाग की घोर लापरवाही, सोनोलॉजिस्ट नही होने के अभाव में मशीन बंद है

रूपनगढ़, (निसं)। रूपनगढ़ के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पिछले 6 माह से सोनोग्राफी मशीन सोनोलॉजिस्ट नहीं होने के कारण बंद पड़ी है, लेकिन चिकित्सा विभाग इस और कोई ध्यान नहीं दे रहा है। वैसे भी रूपनगढ़ चिकित्सालय की पूरी बिल्डिंग जगह-जगह से उधड़ गई है।

■ सोनोग्राफी मशीन होने के बावजूद भी प्रसूता महिलाओं को भारी परेशानी हो रही है

गौरतलब है कि 6-7 माह पहले राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने प्रसूता महिलाओं को हो रही परेशान को देखते हुये रूपनगढ़ चिकित्सालय में 45 लाख रुपये की लागत से विधायक कोष से सोनोग्राफी मशीन दी जो मशीन आज दिन तक बंद पड़ी है। उस समय मंत्री ने हाथों हाथ एक महिला चिकित्सक की नियुक्ति भी करवा दी लेकिन वह महिला चिकित्सक भी छुट्टियों पर है। अब ऐसे में प्रसूता महिलाओं का सोनोलॉजिस्ट नहीं होने के अभाव में यह लाखों रुपए की सोनोग्राफी मशीन कबाड़ हो रही है। मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मशीन तो अस्पताल में दे दी ग्रामीणों से वाहवाही तो लूट ली लेकिन आज तक इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया ना ही चिकित्सा विभाग के कोई अधिकारी ध्यान दे रहे हैं। वहीं चिकित्सालय की बिल्डिंग भी जगह-जगह से जर्जर हो गई है। जिसका एस्टीमेट भी बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है लेकिन इस और भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

तीन पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता मिली

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने प्रमाण पत्र दिये।

भीलवाड़ा, (निसं)। पाकिस्तान से आए तीन विस्थापितों के लिए मंगलवार का दिन खुशियां लेकर आया। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने तीन पाक विस्थापितों जिनमें अशोक, विजय कुमार और जोनी कुमार को भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र दिए। सभी को राजनिष्ठा की शपथ दिलाने के बाद भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

अशोक, विजय कुमार और जोनी कुमार ने कहा कि आज हमारी नागरिकता की मुराद पूरी हुई है, इससे बड़ा गर्व हमारे लिए क्या हो सकता है। केन्द्र व राज्य सरकार के साथ ही जिला प्रशासन को सभी ने धन्यवाद देते हुए आभार जताया। इस अवसर पर एडीएम सिटी प्रतिभा देवठिया भी मौजूद रही।

मेड़ता में रावदूदा की अष्टधातु से बनी मूर्ति स्थापित

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता शहर के संस्थापक और भक्त शिरोमणि मीरांबाई के दादा राव दूदा की अष्टधातु की अश्वरूढ़ प्रतिमा को बुधवार सप्तमी के पर जोधपुर के कलात्मक पत्थर से निर्मित फाउंडेशन पर विराजित किया गया।

राष्ट्रकूट कुलभूषण वीर शिरोमणि श्री राव दूदा मेड़ताधीश मूर्ति निर्माण समिति के अध्यक्ष महेशपालसिंह बडू, संयोजक विजयसिंह सिरसू, कोषाध्यक्ष छोटूसिंह भुनास, उपाध्यक्ष अभयसिंह भैंसडा, सचिव दिलीप सिंह बछवारी, सदस्य शिवप्रताप सिंह ईडवा, डॉ. गोविंदसिंह सहित सदस्यों ने उपस्थित होकर विधिवत पूजा-अर्चना कर मूर्ति स्थापित कराई। इस दौरान अध्यक्ष महेशपाल सिंह ने बताया कि जयपुर में बनी इस अष्टधातु की प्रतिमा का वजन तीन टन तथा ऊंचाई 16 फीट है, करीब एक वर्ष में बनकर तैयार हुई इस प्रतिमा का भव्य अनावरण समारोह देवउठानी एकादशी के बाद किया जाएगा। जयपुर शहर के आनंद कला निकेतन में बनकर तैयार हुई इस प्रतिमा को अलग-अलग हिस्सों में मेड़ता लाया गया। राजपूत समाज के वित्तीय सहयोग से निर्मित यह प्रतिमा राव दूदागढ़ भवन में स्थापित की गई है। बुधवार को इस मूर्ति का रसायन व कलर का कार्य शुरू किया गया है। इस अवसर पर जयपुर के मूर्तिकार विकास कुमार शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता धनसिंह राठौड़, मीरांबाई पैनोरमा प्रबंधक नरेंद्रसिंह जसनगर, नैनसिंह जोधा, दीपक कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जोधपुर के कलात्मक पत्थर से निर्मित फाउंडेशन पर राव दूदा की मूर्ति को स्थापित किया।

अज्ञात हिंसक वन प्राणी के हमले से 22 भेड़ मरी

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के डूंगरवाडा ग्राम पंचायत के गुर्जर कोलेता गांव में अज्ञात हिंसक वन प्राणी के हमले से 22 भेड़ों की मौत हो गई एवं 16 घायल हो गई, जिनका मौके पर ही पशु चिकित्सा टीम द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। सूचना पर बामनवास थाना पुलिस, वन विभाग की टीम मय पशु चिकित्सा टीम के साथ मौके पर पहुंची एवं घायल भेड़ों का मौके पर प्राथमिक उपचार शुरू किया।

वनपाल जल सिंह ने बताया कि डूंगरवाडा ग्राम पंचायत के गुर्जर कोलेता का गांव के जयकिशन गुर्जर का 51 भेड़ों का झुंड बाड़े में बंधा हुआ था। रात्रि को किसी हिंसक वन प्राणी ने हमला कर बाड़े में बंधी 22 भेड़ों को हमला कर मार डाला एवं 16 को घायल कर दिया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम में शामिल सहायक वनपाल पंकज शर्मा व वनकर्मी अमर सिंह ने मौके पर जांच व पगमार्ग के आधार पर जंगली भेड़िया को इस हमले का आधार माना है।

राशिफल गुरूवार 10 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र शुक्रवार प्रात: 5:41 तक, अतिगंड योग रात्रि 4:36 तक, वणिज करण दिन 12:32 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा दिन 12:32 से रात्रि 12:19 तक रहेगी। बुध तुला राशि में दिन 11:20 से प्रवेश करेगा। आज महा सप्तमी, सरस्वती पूजन, त्रिदिनात्मक दुर्गापूजन आरम्भ होगी और अन्नपूर्णा परिक्रमा दिन 12:32 से प्रारम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:54 तक, चर 10:47 से 12:14 तक, लाभ-अमृत 12:14 से 3:07 तक, शुभ 4:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 6:00

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

'मंडियों में पात्र श्रमिकों का हो पंजीकरण, जिससे योजनाओं का लाभ मिल सकें'

- **जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में कृषि विपणन विभाग की बैठक आयोजित**

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कृषि विपणन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा कि कृषि मंडियों में सभी पात्र श्रमिकों का पंजीकरण किया जाए, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। मंडियों में किसानों के लिए भोजन, पेयजल और सामुदायिक शौचालय जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं हों यह सुनिश्चित किया जाए।

जिला कलेक्टर ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि विपणन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मंडी श्रमिकों के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। इनका लाभ प्रत्येक पात्र को मिले। उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की और इनका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को किसी प्रकार की दुर्घटना पर मिलने वाली राहत, महिला श्रमिकों अथवा श्रमिकों की पत्नी को दी जाने वाली प्रसूति सहायता, विवाह एवं छात्रवृति आदि की जानकारी विभिन्न माध्यमों से श्रमिकों तक पहुंचाई जाए।

जिला कलेक्टर ने नोखा, श्रीडूंगरगढ़ और बीकानेर में मंडियों के स्थानांतरण अथवा विस्तार के लिए भूमि आवंटन संबंधी कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संबंधित उपखण्ड अधिकारी से इस संबंध में समन्वय स्थापित किया जाए। नोखा में मंडी परिसर से गुजर रही विद्युत की हाइटेंशन लाइन की शिफ्टिंग के लिए विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए। उन्होंने राजीव गांधी कृषक साथी योजना के तहत लंबित 48 प्रकरणों को निस्तारित करने और बेवजह कोई भी प्रकरण लम्बित नहीं रखने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने कहा कि विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण किया जाए। उन्होंने बीकानेर और नोखा में संचालित किसान कलेवा योजना के बारे में जाना और भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मंडियों में कलेवा योजना के तहत भोजन उपलब्ध नहीं हो रहा है। वहां अन्नपूर्णा रसोई की सुविधा हो, इसके लिए प्रयास किए जाएं। उन्होंने मंडियों में सामुदायिक शौचालय बनवाने तथा इनका उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही इनमें साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि ई-नाम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ट्रेडिंग को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाए। किसानों को कृषक उपहार योजना के बारे में बताएं। मंडी में आने वाले वाहनों की ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने मंडियों में किसान घर अथवा विश्राम गृह की स्थिति की बारे में जाना और कहा कि किसानों के लिए केन्द्र और राज्य सरकार के नॉर्म्स के अनुरूप सभी आधारभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जाएं।

उन्होंने विभाग की अन्य योजनाओं की समीक्षा भी की। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल, कृषि विपणन विभाग के संयुक्त निदेशक शिव सिंह भाटी, बीकानेर मंडी सचिव नवीन गोदारा सहित विभिन्न मंडियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मनरेगा कार्यशाला आज : महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत तकनीकी एवं लेखा शाखा सहित अन्य कार्मिकों की एक दिवसीय कार्यशाला गुरूवार प्रातः 10 से सायं 6 बजे तक विभिन्न सत्रों में जिला परिषद सभागार में आयोजित की जायेगी।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल ने बताया कि कार्यशाला के लिए विषयवार प्रशिक्षक नियुक्त किए गए हैं। इस दौरान मनरेगा के प्रावधानों और नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार नवीनतम सर्कुलर के संबंध में चर्चा की जायेगी। अधिशासी अभियंता (ईजीएस) धीरसिंह गोदारा द्वारा नए प्रावधानों के बारे में बताया जायेगा। फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटीज के प्रतिनिधि द्वारा आजीविका संवर्धन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं चारागाह विकास विषय पर व्याख्यान दिया जायेगा। वार्षिक कार्य योजना 2025-26 व कन्वर्जेंस की जानकारी सहायक अभियंता आराधना शर्मा व मनीष पूनिया द्वारा दी जायेगी।

तकनीकी मार्गदर्शिका एवं व्यक्तिगत लाभ के कार्यों के संबंध में मुकेश आहुजा जीआईएस आधारित प्लान, सिक्योर ई-मेप विषय पर राघवेंद्र सिंह बीका और जय भगवान जानकारी देंगे। ऑडिट पैरा यूसीसीसी समायोजन आदि विषयों पर नरेश चंद्र चाहर व नसीम बानो, वार्षिक कार्य योजना 2024-25 के संजय कुमार श्रीमाली, नवीन शेखर पुरोहित एवं ओमप्रकाश, आईईसी गतिविधियों पर गोपाल जोशी चर्चा करेंगे।

बर्फी, रसगुल्ला व मावा मिठाई के सैम्पल लिए

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले में शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा दल की टीम ने बुधवार को हनुमानगढ़ में मिठाई विक्रेताओं से खाद्य सामग्री के पांच सैम्पल संग्रहित किए।

त्यौहार नजदीक होने के कारण चल रहे अभियान के तहत जिले में अधिक सैम्पल लेने की कार्यवाही की जा रही है ताकि मिलावट करने वालों पर नकेल कसी जायेगी। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि मै. श्री रानी भटीयाणी जोधपुर स्वीट्स से बर्फी मावा मिठाई, मै. जीएन स्वीट्स रसगुल्ला, मै. बंसल किराना स्टोर से मस्टर्ड ऑयल, घी एवं मै. सांईजी स्वीट्स से बर्फी मावा मिठाई का सैम्पल लिया गया।

उन्होंने बताया कि आज निरीक्षण दल में शामिल एफएसओ रफीक मोहम्मद, सहायक कर्मचारी हीरावल्लभ एवं गुरूशरण कंग उपस्थित थे। सैम्पल की जांच के लिए नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला भिजवा दिया गया है। डॉ. नवनीत शर्मा ने आमजन से अपील की कि मिलावट करने वाले खाद्य विक्रेता एवं अवधिपार सामग्री बेचने वाले वाले लोगों की जानकारी चिकित्सा विभाग के नम्बर 01552-261190 अथवा राज्य स्तरीय व्हाट्सएप नंबर 9462819999 पर दें ताकि जिले में शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत प्रभावी कार्रवाई हो सके।

इस पर शिकायत मिलने पर विभागीय टीम खाद्य पदार्थ की जांच करेगी और सैम्पल लेगी। इसके बाद रिपोर्ट आने पर न्यायालय की ओर से जुर्माना लगाया जायेगा।

सार-समाचार

बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ कार्यशाला

महिला अधिकारिता विभाग ने पांचू में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यशाला आयोजित की।

बीकानेर, (कासं)। महिला अधिकारिता तथा महिला एवं बाल विकास परियोजना द्वारा बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह के तहत बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ अभियान कार्यशाला का पांचू में आयोजन किया गया। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन, आशा का विभागीय गतिविधियों, योजनाओं और अधिनियमों पर आमुखीकरण और द्विपक्षीय वार्ता की गई। इस अवसर पर विकास अधिकारी जसवंत विश्नोई ने बाल विवाह रोकथाम पर जानकारी दी। सहायक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र ने शिक्षा विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. विकास ने भी कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के साथ लाडो और मुखबिर योजना के बारे में बताया। आईसीडीएस की पर्यवेक्षक वीणा खत्री, वंदना तोमर, सुमन खड़गावत में पोषण ट्रेकर, सहजन के पौधे की महत्ता और गर्भावस्था में समुचित विकास के बारे में बताया। मनीराम विश्नोई ने बाल विकास विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता की विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर 150 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन, आशा सहित पंचायत समिति कार्मिक उपस्थित थे।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-जिप्सम, 02, गाँधी नगर, स्कीम, बीकानेर- 334001

फोन नं. : 0151-2200171-75, फैक्स : 0151-2523519/2202842

संशोधित-निविदा सूचना-1 — दिनांक :- 08/10/2024

निविदा क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का प्रकार
आरएसएमएम/जिप/निविदा-04/(29)/2024-331, दिनांक 09.09.2024 यूबीएन नं. MML2425SSOB00119	आर. एस. एम. एम.एल.ए एस.बी.यू. एण्ड पी.सी. (जिप्सम), बीकानेर कार्यालय भवन में कैन्टीन संचालन कार्य हेतु । अनुबन्ध राशि रू.- 04.00/- लाख निविदा शुल्क रू. 590/- निविदा जमा कराने की अंतिम तिथि व समय दिनांक 21.10.2024 समय दोपहर 03.30 तक। निविदा खुलने की तिथि व समय दिनांक 22.10.2024 समय दोपहर 03.30 तक

विस्तृत जानकारी हेतु विभाग की वेबसाइट **www.sppp.rajasthan.gov.in** और **www.eproc.rajasthan.gov.in** और अथवा वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) बीकानेर से सम्पर्क कर सकते है।

राज.संवाद/सी/24/6348 — **उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)**

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2024-25/16094-16108 — **निविदा सूचना /2024-25** — Date:09.10.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू)	निविदा सूचना संख्या
Construction of ITI College at Pugai & at Kolayat, Distt. Bikaner) (02 Works) **UBN : (1) RRC2425WLOB00499 (2) RRC2425WLOB00500**	1260.00 Lakh	ई-241/24-25
SITC of HVAC & Force Ventilating works in New Teaching Hospital Building at Sawai Madhopur. **UBN : RRC2425WSOB00492**	278.50 Lakh	ई-250/24-25
Construction of Critical Care Block at 4th Floor New Teaching Hospital Building & Remaining Portion work at Sawai Madhopur. **UBN : RRC2425WLOB00498**	935.02 Lakh	ई-251/24-25

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://roads.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। **महाप्रबंधक**

राजस्थान सरकार

कार्यालय उपनिवेशन तहसीलदार गजनेर मु.कोलायत

क्रमांक:ओ.के./2024/5063 — **दिनांक:-20.9.24**

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि इस कार्यालय में वसीयत इन्तकाल के लिए एक प्रार्थना पत्र श्री रामनारायण पुत्र पूनमचंद जाति राठी निवासी जयमलसर तहसील बीकानेर व जिला बीकानेर ने पेश किया है जिसमें ग्राम जयमलसर ख.नं.167/2/2रकबा.9.09 बीघा व ख.न.182/2/2 रकबा9.11 बीघा कृषि भूमि पिता पूनमचंद पुत्र प्रेमरतन जाति राठी निवासी जयमलसर के नाम कृषि भूमि विरासतन खातेदार दर्ज रिकार्ड है।आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार पूनमचंद पुत्र प्रेमरतन जाति राठी निवासी जयमलसर की मृत्यु दिनांक 10.05.2023को हो गई है व खातेदार द्वारा मृत्यु से पूर्व दिनांक 15.09.2021 को सब-रजिस्ट्रार, सुरत द्वारा वसीयत पंजीबद्ध करवाई है।

इस संबंध में यदि किसी को कोई उज्र एतराज हो तो सम्बन्धित पक्षकार मय सबूत इस कार्यालय में सूचना प्रकाशन के 15 दिवस में प्रस्तुत करे। बाद मियाद कोई उज्र एतराज मान्य नहीं होगा। सूचना आज दिनांक 20.9.24 को मेरे हस्ताक्षर से जारी की गई।

उपनिवेशन तहसीलदार
गजनेर मु.कोलायत

कार्यालय उपनिवेशन तहसीलदार गजनेर मु.कोलायत

क्रमांक:-ओ.के./2024/5083 — **दिनांक:-20.9.24**

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि इस कार्यालय में वसीयत इन्तकाल के लिए एक प्रार्थना पत्र श्री सत्यनारायण पुत्र बाबुलाल जाति पेड़िवाल निवासी जयमलसर तहसील बीकानेर जिला बीकानेर के जरिये वकिल राधेश्याम उपाध्याय ने पेश कि है जिसमें ग्राम जयमलसर के ख.न.77 में रकबा 46 बीघा 9बिस्वा बालचन्द अमरचन्द पिसरान सीताराम दू.बहि.ब दर 3/4 एव. खसरा नम्बर 226/8रकबा 50 बीघा बालचंद पुत्र सीताराम हि.1/2 जाति पेड़िवाल निवासी जयमलसर खातेदार के नाम कृषि भूमि दर्ज रिकार्ड है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार बालचन्द पुत्र सीताराम जाति पेड़िवाल निवासी जयमलसर तहसील व जिला बीकानेर हाल आबाद मुरलीधर व्यास बीकानेर के द्वारा वसीयत दिनांक 14.09.2009 को अपने पुत्र बाबूलाल व श्रीमति मंजूदेवी पत्नि शंकरलाल के पक्ष में उप-पंजीयक, बीकानेर द्वारा तस्दीक शुद्धा है जिसमें बाबूलाल की मृत्यु दिनांक 19.09.2014 को हो चुकी है जिसके जायज वारिसान निम्न प्रकार से है :- मगनी देवी पत्नि, सत्यनारायण पुत्र, राधेश्याम पुत्र, सरिता पुत्री, शकुन्तला देवी पुत्री, अनीता पुत्री, रूखमा कुमारी पुत्री का शपथ पत्र पेश सलंग्न वसीयत प्रार्थना पत्र में दिया है। यह कि वसीयतकर्ता बालचंद पुत्र सीताराम जाति पेड़िवाल निवासी जयमलसर तहसील व जिला बीकानेर हाल आबाद मुरलीधर व्यास बीकानेर खातेदार कि मृत्यु दिनांक 26.08.2017 को हो चुकी है। व खातेदार ने मृत्यु से पूर्व वसीयत तस्दीक करवाई है। इस संबंध में यदि किसी को कोई उज्र एतराज हो तो सम्बन्धित पक्षकार मय सबूत इस कार्यालय में सूचना प्रकाशन के 15 दिवस में प्रस्तुत करे। बाद गुजरने मियाद कोई उज्र एतराज मान्य नही होगा। सूचना आज दिनांक 20.9.24 को मेरे हस्ताक्षर से जारी की गई।

उपनिवेशन तहसीलदार
गजनेर मु.कोलायत

युवती से अश्लील हरकत, टोका तो सुरक्षाकर्मी से मारपीट

- **पीबीएम अस्पताल में प्रसूता के साथ आई युवती से नर्सिंगकर्मी ने की अश्लील हरकत**

बीकानेर, (कासं)। संभाग का सबसे बड़ा पीबीएम अस्पताल एक बार फिर विवादों में आ गया है। इस बार गार्ड और नर्सिंगकर्मी आपस में भिड़ गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह झगड़ा सुरक्षा गार्ड और नर्सिंग स्टाफ के बीच तब हुआ। जब नर्सिंगकर्मी को प्रसूता के साथ आई एक युवती के साथ बदसूलकी करने का उलाहना दिया गया। बताया जा रहा है कि शनिवार को प्रसूति विभाग में तैनात नर्सिंगकर्मी प्रयागराज ने एम वन वार्ड में भर्ती एक महिला के रिश्तेदार के साथ अश्लील हरकतें करने की कोशिश की। प्रसूता महिला रिश्तेदार के हल्ला मचाने पर सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचा और उसे टोका तो प्रयागराज वहां से भाग छूटा।

इसी बात को लेकर मंगलवार देर रात प्रयागराज अपने साथी के साथ आया और अस्पताल परिसर में स्थित 4 नम्बर दवा वितरण केन्द्र के आगे सुरक्षाकर्मी हुकुमचंद से उलझ गया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों पक्षों में जमकर हाथापाई हुई। इस दौरान सुरक्षाकर्मी के हाथ को भी प्रयागराज ने काट लिया।

दोनों पक्षों के बीच की झड़प ने अस्पताल के शांतिपूर्ण माहौल को क्षण भर में हंगामे में बदल दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने पीबीएम चौकी में फोन कर पुलिस को बुलाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हंगामा कर रहे नर्सिंगकर्मी प्रयागराज को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस मामले को लेकर सुरक्षागार्ड हुकुमचंद ने नर्सिंगकर्मी प्रयागराज के विरूद्ध सदर थाने में मामला दर्ज कराया है। इस घटना ने अस्पताल के सुरक्षा और प्रबंधन के तरीकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस प्रकार की घटना के बाद पीबीएम प्रबंधन पर इस प्रकार के प्रश्न उठने लगे हैं कि आखिर रात्रि में प्रसूता विभाग सहित अनेक विभागों में क्या महिलाएं सुरक्षित है। यहां काम करने वाले संविदाकर्मी ने इस प्रकार की हरकत कर पूरे सिस्टम को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

डॉ.पी.के.सैनी, पीबीएम अधीक्षक बीकानेर का कहना है कि नर्सिंगकर्मी व सुरक्षाकर्मी में किसी बात को लेकर मंगलवार रात एक बजे झगड़े की सूचना है। यह किस बात को लेकर हुआ अभी तक इसका पता नहीं है। मेरी जानकारी में नहीं है कि किसी युवती के साथ अश्लील हरकत का कोई मामला है।

गोदारा के जन्मदिन रक्तदान शिविर 11 को

बीकानेर, (कासं)। रक्तवीर राजेश गोदारा के जन्मदिवस के अवसर पर दूसरा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन बीकानेर के पीबीएम अस्पताल ब्लड बैंक में 11 अक्टूबर को किया जायेगा।

रक्तदान शिविर के बैनर का विमोचन मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ डॉ. हरीश आर्य, डॉ. प्रशान्त बेनिवाल, डॉ. मनोज कुमार माली (सह आचार्य मेडिसिन विभाग), डॉ. रमाकांत दिशा (फिजिसियन) द्वारा किया गया। डॉ. मनोज कुमार माली ने बताया कि रक्तदान महादान हैं, जो हर जरूरतमंद मरीज को जीवन दाता के रूप में उभर कर काम आयेगा। राजेश गोदारा ने बताया कि रक्तवीर जीवनदाता सेवा समिति, बीकानेर हमेशा जरूरतमंद लोगों की सेवा में तत्पर रहती है। संस्थान के सदस्यों द्वारा इस मानवता जैसे कार्यों की पहल करके सामाजिक सरोकार एवं जीवनदान है।

नवरात्र मेला में बिके 13.45 लाख के उत्पाद

- **महिलाओं ने कॉरपेट, कालीन, हैण्डीक्राफ्ट, हैण्डमेड ज्वैलरी, लेदर प्रोडक्ट की स्टाल्स लगाई**

बीकानेर, (कासं)। 28 सितम्बर से 7 अक्टूबर तक आयोजित नवरात्रि मेला इसी श्रृंखला की एक कड़ी रहा, जिसमें 76 स्टॉल्स लगाई गई और इन्हें 13.45 लाख रूपये की बिक्री हुई।

जिला प्रशासन द्वारा उद्यम प्रोत्साहन संस्थान और जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र द्वारा जयनारायण व्यास कॉलोनी स्थित ग्रामीण हॉट में आयोजित मेले के दौरान महिलाओं ने कॉरपेट, कालीन, पायदान, हैण्डीक्राफ्ट, हैण्डमेड ज्वैलरी, लेदर प्रोडक्ट, बेकरी उत्पाद, कशीदाकारी, नमकीन, वूलन उत्पाद, गारमेंट्स, उस्ता कला, जटिल कढ़ाई वाले वस्त्र, मिट्टी और चीनी मिट्टी के बर्तन सहित विभिन्न स्टॉल्स लगाई गई।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र की महाप्रबंधक मंजू नैण गोदारा ने बताया कि पूर्व भी 9 से 15 अगस्त तक सावन मेला आयोजित किया गया। इसमें आर्टीजन, लघु उद्योग, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं स्टाल धारकों द्वारा 11.90 लाख रूपए की बिक्री दर्ज की गई। मेले में 85 दुकानें लगाई गई। इनमें से 90 प्रतिशत दुकानें महिलाओं द्वारा संचालित की गई। इसमें बीकानेर के अलावा भीलवाड़ा, जयपुर, अजमेर और किशनगढ़ आदि क्षेत्रों के लघु उद्यमियों ने भागीदारी निभाई। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित होने वाली इन गतिविधियों की श्रृंखला में बीकानेर में 4 से 10 नवम्बर तक संभाग स्तरीय अमृता हॉट मेला आयोजित किया जायेगा।

देर रात शरारती तत्वों ने हुड़दंग मचाया

- **गोपेश्वरी बस्ती क्षेत्र में युवकों ने पहले एक बाइक को डंडे से ठोक कर तोड़ डाला**

बीकानेर,(कासं)। शहर में शरारती तत्वों द्वारा आये दिन उत्पात मचाने की घटनाएं सामने आ रही है। अभी आचार्य चौक में एक मोटरसाइकिल को आग लगाने की घटना का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि गंगाशहर थाना क्षेत्र में देर रात युवकों ने जमकर तांडव किया।

बताया जा रहा है कि गोपेश्वरी बस्ती क्षेत्र में युवकों ने जमकर हुड़दंग किया। पहले एक मोटरसाइकिल को बुरी तरह डंडे से ठोक कर तोड़ डाला। फिर उसको आग के हवाले करने का प्रयास किया। जब इस घटना को किसी तरह रोका गया तो बदमाशों ने ऑटो पलट दिया और शीशे तोड़ डाले। देर रात अचानक हुई इस घटना से एकबारगी अफरा तफरी का माहौल हो गया। लोगों में इस घटना को लेकर दहशत है। सूचना पर गंगाशहर थाना पुलिस की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। एक युवक को हिरासत में भी लिया। थानाधिकारी समरवीर सिंह के अनुसार एक युवक के सिर पर चोट भी लगी है। हालांकि अभी तक घटना के कारणों का पता नहीं चला है। सूत्रों का कहना है कि लड़कों ने स्मैक व शराब का नशा कर रखा था। संभवत यही मुख्य कारण है।

समस्या समाधान शिविर

श्रीगंगानगर, (कासं)। श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ जिले की तहसील के भूतपूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाओं के लिये 16 एवं 17 अक्टूबर को पूर्व सैनिक समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया जायेगा।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि शिविर में भूतपूर्व सैनिक एवं वीरांगनाएं अपने समस्त दस्तावेज पीपीओ, डिस्चार्ज बुक, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, पेन कार्ड साथ में लेकर आये। सभी भूतपूर्व सैनिक व वीरांगनाएं शिविर का लाभ उठायें। शिविर में समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 16 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से 11.30 बजे तक लायन्स क्लब व्यापार मण्डल-2 घडसाना एवं 12 बजे से 1.30 बजे तक पंचायत समिति अनूपगढ़ में शिविर आयोजित होगा।

मॉडल से अंग्रेजी, गणित को सरल बनाने के तरीके बताये

नोखा, (कासं)। ब्लॉक स्तरीय किशोरी शैक्षिक उत्सव 2024 में बालिकाओं ने मॉडल के माध्यम से अंग्रेजी, गणित जैसे कठिन विषय, हिन्दी की बारीकियां एवं अंग्रेजी को सरल बनाने के तरीके बताये।

राजकीय हीराबाई गट्टानी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन अतिथियों द्वारा फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रेमदान ने नवाचार युक्त मॉडल निर्माण के लिए बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। संदर्भ व्यक्ति हंसराज गोदारा ने बालिका शिक्षा के महत्व पर जानकारी दी। विषय वार तीन जोन में प्रतिस्पर्धा रखी गई। जिसमें प्रथम जोन माध्यमिक समूह में भाषा विषय में करिश्मा लखोटिया गट्टानी स्कूल प्रथम, ममता भांभू नोखा गांव द्वितीय एवं रिया बीकासर तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में मोरखाना की अरूण प्रथम, बीकासर की शिवानी एवं सुथारों का बास स्कूल की पवित्रा सुथार तीसरे स्थान पर रहे।

द्वितीय जोन अंग्रेजी गणित में जयश्री बीकासर प्रथम, हीराबाई गट्टानी स्कूल की निजरा द्वितीय एवं लालमदेसर बड़ा की ममता तीसरे स्थान पर रही। जूनियर वर्ग में चंद्रकला प्रथम निकिता बीकासर द्वितीय, मोरखाना की आइना तीसरे स्थान पर रही।

तृतीय जोन समसामयिक विषय में मोरखाना की शिक्षा प्रथम, सालुंडिया की आइना द्वितीय, हियादेसर की तनीषा राजपुरोहित तृतीय स्थान पर रही। जूनियर वर्ग में नोखा गांव की मोनिका प्रथम, मोरखाना की निशा द्वितीय एवं बीकासर की नेहा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त विजेताओं को 500 रूपये, द्वितीय को 300 एवं तृतीय को 200 रूपये के पुरस्कार प्रदान किए जायेंगे।

कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका में विजय शर्मा, प्रेमप्रकाश, हरेंद्र डूडी, बजरंग लाल, पूनम दर्जी, जितेन्द्र शर्मा, अनीता चौधरी एवं राजेन्द्र प्रसाद बिश्नोई की मुख्य भूमिका रही। ब्लॉक स्तरीय इस कार्यक्रम में आज 98 बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता हरेन्द्र डूडी ने किया।

राजस्थान सरकार

कार्यालय उपनिवेशन तहसीलदार गजनेर मु.कोलायत

क्रमांक:ओ.के./2024/5063 — दिनांक:-20.9.24

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि इस कार्यालय में वसीयत इन्तकाल के लिए एक प्रार्थना पत्र श्री रामनारायण पुत्र पूनमचंद जाति राठी निवासी जयमलसर तहसील बीकानेर व जिला बीकानेर ने पेश किया है जिसमें ग्राम जयमलसर ख.नं.167/2/2रकबा.9.09 बीघा व ख.न.182/2/2 रकबा9.11 बीघा कृषि भूमि पिता पूनमचंद पुत्र प्रेमरतन जाति राठी निवासी जयमलसर के नाम कृषि भूमि विरासतन खातेदार दर्ज रिकार्ड है।आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार पूनमचंद पुत्र प्रेमरतन जाति राठी निवासी जयमलसर की मृत्यु दिनांक 10.05.2023को हो गई है व खातेदार द्वारा मृत्यु से पूर्व दिनांक 15.09.2021 को सब-रजिस्ट्रार, सुरत द्वारा वसीयत पंजीबद्ध करवाई है।

इस संबंध में यदि किसी को कोई उज्र एतराज हो तो सम्बन्धित पक्षकार मय सबूत इस कार्यालय में सूचना प्रकाशन के 15 दिवस में प्रस्तुत करे। बाद मियाद कोई उज्र एतराज मान्य नहीं होगा। सूचना आज दिनांक 20.9.24 को मेरे हस्ताक्षर से जारी की गई।

उपनिवेशन तहसीलदार
गजनेर मु.कोलायत

कार्यालय उपनिवेशन तहसीलदार गजनेर मु.कोलायत

क्रमांक:-ओ.के./2024/5083 — दिनांक:-20.9.24

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि इस कार्यालय में वसीयत इन्तकाल के लिए एक प्रार्थना पत्र श्री सत्यनारायण पुत्र बाबुलाल जाति पेड़िवाल निवासी जयमलसर तहसील बीकानेर जिला बीकानेर के जरिये वकिल राधेश्याम उपाध्याय ने पेश कि है जिसमें ग्राम जयमलसर के ख.न.77 में रकबा 46 बीघा 9बिस्वा बालचन्द अमरचन्द पिसरान सीताराम दू.बहि.ब दर 3/4 एव. खसरा नम्बर 226/8रकबा 50 बीघा बालचंद पुत्र सीताराम हि.1/2 जाति पेड़िवाल निवासी जयमलसर खातेदार के नाम कृषि भूमि दर्ज रिकार्ड है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार बालचन्द पुत्र सीताराम जाति पेड़िवाल निवासी जयमलसर तहसील व जिला बीकानेर हाल आबाद मुरलीधर व्यास बीकानेर के द्वारा वसीयत दिनांक 14.09.2009 को अपने पुत्र बाबूलाल व श्रीमति मंजूदेवी पत्नि शंकरलाल के पक्ष में उप-पंजीयक, बीकानेर द्वारा तस्दीक शुद्धा है जिसमें बाबूलाल की मृत्यु दिनांक 19.09.2014 को हो चुकी है जिसके जायज वारिसान निम्न प्रकार से है :- मगनी देवी पत्नि, सत्यनारायण पुत्र, राधेश्याम पुत्र, सरिता पुत्री, शकुन्तला देवी पुत्री, अनीता पुत्री, रूखमा कुमारी पुत्री का शपथ पत्र पेश सलंग्न वसीयत प्रार्थना पत्र में दिया है। यह कि वसीयतकर्ता बालचंद पुत्र सीताराम जाति पेड़िवाल निवासी जयमलसर तहसील व जिला बीकानेर हाल आबाद मुरलीधर व्यास बीकानेर खातेदार कि मृत्यु दिनांक 26.08.2017 को हो चुकी है। व खातेदार ने मृत्यु से पूर्व वसीयत तस्दीक करवाई है। इस संबंध में यदि किसी को कोई उज्र एतराज हो तो सम्बन्धित पक्षकार मय सबूत इस कार्यालय में सूचना प्रकाशन के 15 दिवस में प्रस्तुत करे। बाद गुजरने मियाद कोई उज्र एतराज मान्य नही होगा। सूचना आज दिनांक 20.9.24 को मेरे हस्ताक्षर से जारी की गई।

उपनिवेशन तहसीलदार
गजनेर मु.कोलायत

रैली से दिया नशा नहीं करने, अपराधवृति व आत्महत्या न करने का संदेश

- **मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के तहत स्लोगन लेखन, निबंध लेखन व भाषण प्रतियोगिता आयोजित**

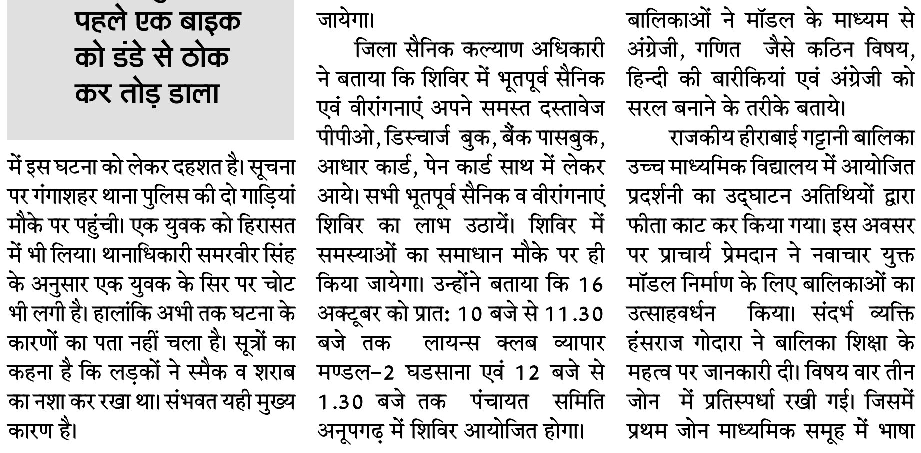

मेडिकल स्नातक, नर्सिंग व पैरामेडिकल छात्रों एवं पी.बी.एम व मेडिकल कॉलेज के कार्मिकों द्वारा मानसिक जागरूकता रैली निकाली।

बीकानेर, (कासं)। मानसिक रोग एवं नशामुक्ति विभाग, पी.बी.एम. चिकित्सालय बीकानेर द्वारा आयोजित सात दिवसीय विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के छठे दिन 09 अक्टूबर को विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये।

सर्वप्रथम मेडिकल स्नातक छात्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल छात्रों एवं पी.बी.एम व मेडिकल कॉलेज के कार्मिकों द्वारा मानसिक जागरूकता रैली निकाली गई जो मेडिकल कॉलेज से पी.बी. एम. चिकित्सालय परिसर से होते हुए मानसिक रोग विभाग में विसर्जित हुई। रैली को अतिरिक्त प्रधानाचार्य (प्रथम) डॉ अनिता पारीक, प्रोफेसर एवं कॉलेज एकेडमिक प्रभारी डॉ. गौरव शर्मा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. हरफूल सिंह, आचार्य डॉ. श्रीगोपाल गोयल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान रेजिडेंट डॉ. तुलसी, डॉ. अदिति, डॉ. विशाल राणा, डॉ. पवन सारस्वत, डॉ. पूजा, नर्सिंग ट्यूटर सुनिता शेखावत, लतिका तंवर, नर्सिंग अधिकारी रविन्द्र सक्सेना, योगेन्द्र लेखाला, अजीत आर्य, देवकी धानू, विनोद पंचारिया आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के तहत स्लोगन लेखन, निबंध लेखन व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके तहत नर्सिंग छात्रों ने अपनी अद्वितीय कल्पना और कियाशीलता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नशा मुक्ति, अपराधवृति, आत्महत्या की प्रवृति एवं मानसिक रोगों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

प्रतियोगिता का परिणाम एवं पारितोषिक वितरण समापन समारोह में किया जायेगा। कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन विषयक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

मतदाता पंजीकरण अभियान 11 से

श्रीगंगानगर, (कासं)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के दौरान मतदाता पंजीकरण हेतु जिले में कलस्टर कैम्पों का आयोजन किया जायेगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार सभी जिलों में मतदाता पंजीकरण हेतु कलस्टर कैम्प आयोजित किये जायेंगे। इस दौरान मतदाता सूची में राजकीय, निजी स्कूलों, कॉलेजों एवं विशेष योग्यजन मतदाताओं का शत-प्रतिशत पंजीकरण किया जाना है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु वर्ष में चार अवसर 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर प्रदान किये गये हैं। इसलिए 17 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा, जो आगामी अर्हता तिथि को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप और वोटर पोर्टल पर ऑनलाइन अग्रिम आवेदन कर सकते हैं।

जोधपुर में ''कांगो फीवर'' ने दस्तक दी, महिला की मौत, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

पशुपालन से जुड़ी 51 साल की महिला सप्ताह भर से बीमार थी, अहमदाबाद में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया

- मंगलवार देर रात को रिपोर्ट में कांगो फीवर की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला के गांव पहुंची
- स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिजनों और आसपास के ग्रामीणों के ब्लड सैम्पल लिए
- बताया जा रहा है कि पशुओं के साथ रहने से कांगो फीवर का खतरा अधिक बढ़ जाता है

जोधपुर, (कास)। जोधपुर में ''कांगो फीवर'' ने दस्तक दी है। पशुपालन से जुड़ी 51 साल की महिला सप्ताह भर से बीमार थी। अहमदाबाद में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। मंगलवार देर रात को रिपोर्ट में कांगो फीवर की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला के गांव पहुंची और परिजनों और आसपास के ग्रामीणों के ब्लड सैम्पल लिए जा रहे हैं।

जोधपुर डिप्टी सीएमएच डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र के नांदड़ा कला गांव में एक 51 साल की महिला की 3 अक्टूबर को तबीयत खराब हो गई थी। परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए थे, जहां से उन्हें जोधपुर के एमडीएम हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था। यहां से तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अहमदाबाद के एक हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। वहां उनकी 8 अक्टूबर की सुबह मौत हो गई थी। इसके बाद महिला के ब्लड सैम्पल जांच के लिए पुणे भेजे गए थे। देर रात मंगलवार को महिला की रिपोर्ट आई थी, जिसमें उसे कांगो फीवर की पुष्टि हुई थी।

डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि महिला के कांगो फीवर की रिपोर्ट आते ही मेडिकल टीम अलर्ट हो गई थी। बुधवार सुबह जल्दी टीमों को नांदड़ा गांव भेज दिया गया। पूरे गांव में सर्वे करवाया जा रहा है। साथ ही महिला के सभी परिजनों के सैम्पल लिए गए हैं। डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि जोधपुर में कांगो फीवर का मामला साल 2019 में सामने आया था। उस समय तीन बच्चों में इस फीवर के लक्षण नजर आए थे। साथ ही दो रोगियों की मौत भी हुई थी। जोधपुर में पहली बार वर्ष 2014 में कांगो फीवर के मरीज सामने आए थे।

अधिकारियों ने बताया कि कांगो फीवर ने पीड़ित महिला पशुपालन से जुड़ी हुई थी। बताया जा रहा है कि पशुओं के साथ रहने से कांगो फीवर का खतरा अधिक बढ़ जाता है। पशुओं की चमड़ी के चिपके रहने वाला हिमोरल (किलनी) नामक परजीवी इस रोग को बढ़ाता है। कांगो फीवर को संक्रमण से रोगी को बुखार का एहसास होता है और उसके शरीर की मांस पेशियों में दर्द होता है। उसे चक्कर आते हैं, सिर दर्द करता है, आंखों में जलन और रोशनी से डर लगने लगता है।

सिंह ने बताया कि महिला के संपर्क में आने वाले सभी लोगों की हिस्ट्री खंगाली जाएगी। उन्हें 15 से 20 दिन तक सर्विलांस पर रखा है। 2019 में जो केस आए थे वैसा ही केस सामने आया है। गांव में मवेशियों के सैंपल लिए गए हैं। इसकी रिपोर्ट आने के बाद पशुपालन विभाग के साथ मिलकर आगे की कार्य योजना बनाई जाएगी।

दस हजार रुपए की रिश्वत लेते शिक्षाकर्मी गिरफ्तार

साथी शिक्षाकर्मी का पेंशन प्रकरण तैयार कर भेजने की एवज में 20 हजार की रिश्वत मांगी थी

बिछीवाड़ा ब्लॉक अन्तर्गत आरा स्कूल के शिक्षाकर्मी को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी डूंगरपुर ने 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते बिछीवाड़ा ब्लॉक में आरा स्कूल के शिक्षाकर्मी को बुधवार को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। नौ महीने पहले रिटायर्ड हुए साथी शिक्षाकर्मी के पेंशन प्रकरण को तैयार कर भेजने की एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत के मांग की जा रही थी।

एसीबी के डीएसपी रतनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि बिछीवाड़ा ब्लॉक के एक रिटायर्ड शिक्षाकर्मी ने शिकायत दर्ज करवाई थी। इसमें बताया कि वह 31 जनवरी को शिक्षाकर्मी की पोस्ट से रिटायर्ड हुआ है। इसके बाद पेंशन प्रकरण तैयार करने के लिए गवर्नमेंट अपर प्राईमरी स्कूल आरा का साथी शिक्षाकर्मी रमेशचंद्र कोटेड 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत पर एसीबी की ओर से पुष्टि करवाई गई। जिसमें शिक्षाकर्मी रमेशचंद्र कोटेड की ओर से रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इस पर एसीबी ने ट्रैप का जाल बिछाया। शिक्षाकर्मी ने रिश्वत की राशि के लिए सिंटेक्स तिराहे पर बुलाया। जिस पर एसीबी की टीम सिंटेक्स पहुंची। पीड़ित शिक्षाकर्मी ने 10 हजार रुपए की रिश्वत की राशि आरोपी शिक्षाकर्मी रमेशचंद्र कोटेड को दी। ईशारा मिलते ही एसीबी की टीम पहुंच गई और शिक्षाकर्मी रमेशचंद्र कोटेड को पकड़ लिया। एसीबी की टीम ने शिक्षाकर्मी के पास से रिश्वत में दिए 10 हजार रुपए बरामद कर लिए हैं। आरोपी शिक्षाकर्मी को गिरफ्तार कर रिश्वत की रकम और किसी को देने के लिए ली थी या नहीं इस बारे में पूछताछ रही है।

ड्रोन के जरिये सीमा पार से पहुंची थी हेरोइन, तस्करों से पूछताछ में कई खुलासे

- संयुक्त जांच एजेंसियों की तस्करों से पूछताछ में सामने आया है कि पाक में बैठे तस्कर ने ही हेरोइन को गिराने की लोकेशन तय की थी
- तस्करों से पूछताछ में सामने आया है कि इसके पैसों का लेनदेन हवाला के जरिए दुबई से किया गया था
- खाजूवाला बॉर्डर एरिया में बीएसएफ ने एक ड्रोन और करीब 11 करोड़ की 2 किलो हीरोइन बरामद कर छह तस्करों को गिरफ्तार किया था

बीकानेर, (निसं)। खाजूवाला बॉर्डर एरिया में सीमा पार से गत 2 अक्टूबर को ड्रोन के जरिए पहुंचाई गई 11 करोड़ रुपये की हेरोइन को लेकर संयुक्त जांच एजेंसियों द्वारा तस्करों से की गई पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। संयुक्त जांच एजेंसियों की तस्करों से पूछताछ में सामने आया है कि पाक में बैठे तस्कर ने ही हेरोइन को गिराने की लोकेशन तय की थी और इसके पैसों का लेनदेन हवाला के जरिए दुबई से किया गया था।

गौरतलब है कि खाजूवाला बॉर्डर एरिया में बीएसएफ को नीलकंठ पोस्ट के पास एक ड्रोन और करीब 11 करोड़ रुपये की 2 किलो हीरोइन बरामद हुई थी। इस मामले को लेकर पुलिस और बीएसएफ ने 6 तस्करों को गिरफ्तार किया था। पुलिस, सीआईडी आईबी, बीएसएफ द्वारा तस्करों से 2 दिन की पूछताछ के बाद चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। हेरोइन तस्करी की डील पंजाब में बैठे मुख्य तस्कर ने पाकिस्तानी तस्कर से की थी। इस काम के लिए उन्होंने हाल ही में रोहतक जेल से छूट बलदेव सिंह को केरियर बनाया था। सौदा डेढ़ लाख रुपये में तय हुआ था और एक लाख रुपए अहमद ने दुबई से हवाला के जरिए बलदेव के बताए गए बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए थे लेकिन बीएसएफ पुलिस की चौकसी के चलते तस्कर अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाए।

बताया जा रहा है कि बलदेव सिंह पिछले एक साल से पाकिस्तानी तस्कर अहमद के संपर्क में था। पुलिस ने इस मामले में पंजाब के फाजिल्का के बलजीत सिंह, हरभजन सिंह, अमरीक सिंह, मस्तान सिंह और हनुमानगढ़ निवासी महेंद्र सिंह और परगट सिंह को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य आरोपी तारासिंह अभी फरार चल रहा है। मामले की जांच छतरगढ़ थाना प्रभारी संदीप कुमार कर रहे हैं। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार ड्रोन का इस्तेमाल तस्करों द्वारा तेजी से किया जा रहा है, क्योंकि यह सीमा पर लगे कड़े सुरक्षा इंतजामों को चकमा देने का एक नया तरीका है। सुरक्षा एजेंसियों ने हाल के महीनों में ऐसे कई ड्रोन पकड़े हैं, जिनके जरिए नशीले पदार्थ और हथियार भारतीय क्षेत्र में भेजे जा रहे हैं। इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने सीमा पर निगरानी और सख्त कर दी है। ड्रोन के खिलाफ लड़ाई को और कारगर बनाने के लिए उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि तस्करों के इन प्रयासों को विफल करने के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह से सतर्क हैं और इस तरह की घटनाओं पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

देवर ने भाभी पर चाकू से हमला किया

उदयपुर, (कासं)। आपसी कहासुनी के दौरान देवर चाकू से हमला कर भाभी को घायल कर फरार हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित आयड़ छीपा कॉलोनी निवासी मो. इमरान पुत्र उस्मान खां ने अपने छोटे भाई सरफराज के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता ने बताया कि 8 अक्टूबर रात में घर पर थी। इस दौरान किसी बात को लेकर विवाद होने पर आरोपी मेरी पत्नी मदीना (30) पर चाकू से हमला कर फरार हो गया। हमले में गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

EXECUTIVE ENGINEER PWD DN-LALSOT

Notice Inviting Bid

File No. 1298-1305 Date 01.10.2024

Bids for various CD Work & Building maintenance work Under Pwd Division Lalsot District Dausa of Nit No. 08 Year 2024-25 of Procurement are invited from interested bidders upto 12.30 PM (time) 01.10.2024 to 14.10.2024 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://www.eproc.rajasthan.gov.in "http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and "http://www.pwd.rajasthan.gov.in" departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 236.22 Lacs

NIB Code- PWD2425A1982
1. PWD2425WSOB07291
2. PWD2425WSOB07294
3. PWD2425WSOB07295

DIPR/C/9570/2024

Executive Engineer
PWD Division-Lalsot

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक- 1620-1628 दिनांक-04.10.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-07/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला गंगापुर सिटी (खण्ड टोडाभीम) में सड़क/भवन कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
1. UBN NO. PWD2425WSRC07336, 2. UBN NO. PWD2425WSRC07339,
3. UBN NO. PWD2425WSRC07340, 4. UBN NO. PWD2425WSRC07342

(के.के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/9605/2024

Rajasthan Council of School Education

S. Radha Krishnan Shiksha Sankul, 5th Block, 2nd & 3rd Floor, JLN Marg, Jaipur - 17

क्रमांक :- राजस्कूलशिप/आईसीटी/VSK हॉर्डवेयर/2024-25/3448 दिनांक :- 07/10/2024

NOTICE INVITING e-BID (NIB : 14/2024-25)

Request for proposal invited for Supply, Installation, Testing, Commissioning of Hardware Equipments for Vidya Samiksha Kendra with comprehensive on-site warranty for three years up to 06:00 PM of dated 16.10.2024. Other details may be seen in the Bidding Document at State Public Procurement Portal website **www.sppp.rajasthan.gov.in** or website **"www.rajsmsa.nic.in"** or E-Proc portal.

U.B.N. : RSE2425GLOB01349
Estimated cost : 1,70,07,000/-

Raj.Samwad/C/24/6343

State Project Director
RCScE, Jaipur

झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय की महापंचायत कल

झुंझुनूं। मुस्लिम न्याय मंच झुंझुनूं द्वारा आयोजित मुस्लिम महापंचायत 11 अक्टूबर को जिला मुख्यालय स्थित ईदगाह मैदान में होगी, जिसे लेकर झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय में उत्साह का माहौल है। यह महापंचायत उप चुनावों को ध्यान में रखते हुए ऐतिहासिक होने वाली है।

संयोजक इमरान बड़गुजर ने बताया कि कार्यक्रम में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के सभी पंचायतों के लोग एवं बगड़ नगरपालिका और जिला मुख्यालय के सभी मुस्लिम समुदाय के नगरपालिका चेयरमैन, पूर्व चेयरमैन, सरपंच, पूर्व सरपंच, ब्लॉक मेंबर, पूर्व ब्लॉक मेंबर, पार्षद, पूर्व पार्षद, जिले के जनप्रतिनिधि, जमीयत उलेमा ए हिंद राजस्थान के प्रदेश महासचिव मौलाना वाहिद खत्री, पूर्व जिला कलेक्टर असफाक हुसैन, राजस्थान मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एमडी चोपदार और उलेमा हजरात भी महापंचायत में शिरकत करेंगे। बड़गुजर ने बताया कि होने वाले झुंझुनूं विधानसभा के उप चुनाव के संदर्भ में मुस्लिम समाज की सभी 30 बिरादरी के लोग एक जाजम पर बैठकर सामाजिक एवं चुनावी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। न्याय मंच के सहसंयोजक उस्मान खान मालीगांव ने झुंझुनूं के सभी मुस्लिम समाज के लोगों से महापंचायत में आने की अपील की है।

थाने में फरियादी महिला एवं बेटे के साथ एएसआई ने दुर्व्यवहार किया

न्याय दिलाने की मांग को लेकर पीड़िता एसपी कार्यालय पहुंची

- एफआईआर की कॉपी लेने थाने गई थी फरियादी महिला एवं बेटा
- एएसआई पर अश्लील गालियां देने का आरोप, एसपी से गुहार लगाई

भीलवाड़ा, (निसं)। कारोई थाने में दर्ज मामले की एफआईआर की निःशुल्क कॉपी लेने गए फरियादी मां व बेटे के साथ थाने के एएसआई ने दुर्व्यवहार कर, डरा-धमका कर अश्लील गालियां निकाली। महिला ने एएसआई पर अश्लील गालियां देने का आरोप लगाया है।

पीड़िता कृष्णा देवी शर्मा पत्नी प्रकाश शर्मा निवासी झबरकिया (सहाड़ा) ने बताया कि दो अक्टूबर को गांव के ही कुछ दबंगों ने पुरानी रंजिश को लेकर उनके निवास स्थान पर अनाधिकृत प्रवेश कर घर में गुंडागर्दी करते हुए तोड़फोड़ एवं मारपीट की, जिसकी सूचना उन्होंने कारोई थाने में दी, लेकिन थाने वालों ने प्राथमिकी दर्ज करना तो दूर, उन्हें डराकर भगा दिया। इसके पश्चात उन्होंने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गंगापुर से फरियाद की और उनके आदेश से प्रकरण दर्ज किया गया। इसके बाद कृष्णा देवी शर्मा एवं उसके बेटे राहुल ने कारोई थाने जाकर अनुसंधान अधिकारी एएसआई ओमप्रकाश मीणा से उन्हें दर्ज मामले की एफआईआर की निःशुल्क प्रतिलिपि देने का अनुरोध किया। इस पर गुस्से में मीणा ने उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए अश्लील गालियां दी और कहा कि तुमने एएसपी साहब गंगापुर के यहां रिपोर्ट क्यू दी और उन्हें थाने में डराया-धमकाया गया। पीड़िता कृष्णा देवी पत्नी प्रकाश शर्मा ने बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक मुख्यालय को रिपोर्ट देकर कारोई थाने के एएसआई ओमप्रकाश मीणा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करवाने एवं उनके मामले की जांच अन्य सक्षम अधिकारी से करवाने की मांग की है।

पुलिस चौकी से वाहन चोरी

टोंक, (निसं)। मेहन्दवास थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बरवास चौकी परिसर से सरकारी मोटरसाईकिल चोरी हो जाना बताता है कि क्षेत्र में चोरो के हौसले कितने बुलन्द है। इस मामले में जहां थाना मेहन्दवास में वाहन चोरी हो जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई, वही बरवास चौकी पर नियुक्त हेड कानि. फैलूराम व साथ कानि. राजेश को सस्पेंड भी किया गया है।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय

सेक्टर-18, कुम्भा मार्ग, प्रतापनगर, जयपुर- 302018 (राज.)
दूरभाषः 0141-2795527 वेबसाईट : www.ruhsraj.org

F11()Pre Cell/RUHS/2024/20686

NOTIFICATION

M.Sc (Med) Entrance Exam. 2024
and
RUHS Ph.D Admission Test 2024

Rajasthan University of Health Sciences (RUHS) invites online applications from eligible candidates for admission (through computer-based test) to M.Sc. (Med) course (2024) and Ph.D. Programme (2024, in faculty of Medicine, Dentistry and Pharmacy) in colleges affiliated to RUHS. Online application form can be filled at RUHS website **(www.ruhsraj.org)** from 10.10.2024 to 05.11.2024. The tentative date for conduct of admission test will be notified later. Applicants are required to refer RUHS website for information booklet, eligibility criteria, application form fee etc. and visit the website **www.ruhsraj.org** regularly for future notifications / updates.

Raj.Samwad/C/24/6377

Chairman
Entrance and Recruitment Cell, RUHS

जोधपुर के पहले जी.आई.एस. तकनीक आधारित ग्रिड सब-स्टेशन का संचालन शुरू

- 200 एम.वी.ए. क्षमता के जी.आई.एस. तकनीक आधारित 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाड़ का संचालन शुरू किया
- आबादी वाले स्थानों में जहां जगह की काफी कमी है व बिजली का लोड काफी अधिक है, वहां ऐसे जी.एस.एस. स्थापित किये जाते हैं : नथमल डिडेल

जयपुर। राजस्थान में बिजली प्रसारण तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुये विद्युत प्रसारण निगम ने जोधपुर शहर के पहले 200 एम.वी.ए. क्षमता के गैस इन्सुलेटेड सब-स्टेशन (जी.आई.एस.) तकनीक आधारित 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाड़ का संचालन शुरू कर दिया गया है।

प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक नथमल डिडेल ने बताया कि जोधपुर शहर के बनाड़ में 132 केवी ग्रिड-स्टेशन पूर्व में स्थापित था परन्तु लोड अधिक होने से इसे काफी समय से क्रमोन्नत करने की आवश्यकता महसूस हो रही थी परन्तु यहां स्थानाभाव के कारण पारम्परिक 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाना संभव नहीं था। इसलिए जी.आई.एस. तकनीक आधारित 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाने का निर्णय हुआ। जी.आई.एस. ग्रिड सब-स्टेशन पारम्परिक ग्रिड सब-स्टेशन की तुलना में काफी कम स्थान में स्थापित हो जाते हैं। आबादी वाले स्थानों में जहां जगह की काफी कमी है व बिजली का लोड काफी अधिक है, वहां ऐसे जी.एस.एस. स्थापित किये जाते हैं।

इस जी.एस.एस. पर करीब 52 करोड़ रूपये का व्यय आया है एवं ग्रिड सब-स्टेशन के निर्माण से लगभग 25.32 लाख यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत छीजत में कमी संभावित है, जिससे लगभग 101.28 लाख रूपये प्रतिवर्ष राजस्व में बचत अपेक्षित है। इससे बनाड़, सूरपूरा एवं जोधपुर शहर में विद्युत आपूर्ति में समुचित सुधार होगा। प्रबन्ध निदेशक डिडेल ने प्रसारण निगम के अभियन्ताओं एवं कर्मचारियों को जोधपुर शहर के पहले जी.आई.एस. तकनीक आधारित 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन का संचालन शुरू करने पर बधाई दी है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सुल्तानपुर

क्रमांक-911 दिनांक-04.10.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 11/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सडक निर्माण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 16.10.2024 को 06.00 बजे तक।

S.No.	UBN NO.
1	PWD2425WSOB07371
2	PWD2425WSOB07373
3	PWD2425WSOB07375

(अंकित बिन्दल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सुल्तानपुर

DIPR/C/9655/2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालोर

क्रमांक-अ.अ./चि.एवंस्वा/2024-25/2158-68 दिनांक-02.10.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 10/2023-24

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 197.20 लाख के 3 सिविल कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाई निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण डीआईपीआर की वेब साईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वैबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB NO. NRH2425A0311
1. NRH2425WSOB01204, 2. NRH2425WSOB01206, 3. NRH2425WSOB01209

(रणवीरसिंह कछवाहा)
अधिशाषी अभियंता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

DIPR/C/9581/2024

बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने सफाई अभियान निरीक्षण के दौरान स्पा सेंटर पर छापा मारा

स्पा सेंटर का दरवाजा तोड़कर कर मौके से दो युवक और पांच युवतियों को हिरासत में लिया

- कलेक्टर ने देह व्यापार की आशंका जता पुलिस अधिकारियों को मामला दर्ज करने के निर्देश दिए

बाड़मेर, (निसं)। जिला कलेक्टर टीना डाबी के निर्देशों पर पुलिस टीम ने शहर के एक स्पा सेंटर पर दरवाजा तोड़कर कर बड़ी कार्रवाई करते हुए मौके से दो युवक और पांच युवतियों को हिरासत में लिया है। कार्यवाही के दौरान जिला कलेक्टर टीना डाबी मौके पर मौजूद रही। पुलिस की कार्रवाई से शहर के स्पा संचालकों में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने शहर में सफाई अभियान के निरीक्षण के दौरान एक स्पा सेंटर पर भी छापा मारा। कलेक्टर को देखकर सेंटर मालिक ने अंदर से लॉक लगा लिया। जब काफी कोशिश के बाद भी उसने गेट नहीं खोला तो कलेक्टर डाबी भड़क उठी और यूआईटी अधिकारियों की मदद से गेट तोड़ दिया। स्पा सेंटर से पांच लड़कियों सहित सात लोगों को हिरासत में लिया। कलेक्टर टीना डाबी ने देह व्यापार की आशंका जताते हुए पुलिस अधिकारियों को मामला दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार शहर में नवो बाड़मेर अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को सुबह नौ बजे चामुंडा सर्किल से चौहटन सर्किल पर सफाई की जा रही थी। इस दौरान करीब नौ बजे जिला कलेक्टर टीना डाबी भी पहुंची। कलेक्टर और प्रशासनिक अधिकारियों को देख स्पा सेंटर संचालक ने मुख्य दरवाजे के साथ एंट्री गेट को बंद कर दिया था। इस पर टीना डाबी को शक हुआ तो उन्होंने सेंटर संचालक को गेट खोलने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं माना। वे करीब 30 मिनट तक यहां खड़ी रही। डाबी ने बाहर से फटकार लगाते हुए कहा कि छुप क्यूं रहा है। अब तो मैं तब तक खड़ी रहूंगी जब तक गेट नहीं खुल जाए। चाहे दरवाजा तोड़ना पड़े। गेट तोड़ने की कार्रवाई के दौरान बाड़मेर शहर के अतिरिक्त कलेक्टर राजेंद्र चांदावत सेंटर के अंदर छत पर मौजूद दूसरे गेट से घुस गए। सेंटर का एक गेट बाहर से तोड़ा गया व दूसरा अंदर से एडीएम ने खोला। इसके बाद अंदर घुसे अधिकारियों ने वहां मौजूद सात लोगों को हिरासत में लिया।

सदर थानाधिकारी सत्यप्रकाश ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को वेरिफिकेशन के लिए कोतवाली थाने भेजा गया है। दो लड़के और पांच लड़कियों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि इन पांच लड़कियों में से ही कोई एक स्पा संचालक है, जिसकी जानकारी जुटाई जा रही है। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने बताया कि पुलिस को पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए है। साथ ही जिला पुलिस अधीक्षक को शहर में अन्य जगहों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ कार्यवाही के लिए कहा है।

कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल मण्डफिया, जिला -चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/लेखा/श्रीसांमंमं/2024-25/2569 दिनांक:-07.10.2024

-: ई- निविदा सूचना संख्या-17/2024-25:-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा construction of BT Road Devda Peepli to Koshital Road (अनुमानित लागत 40.67 लाख) निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष व योग्य संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है निविदा प्रपत्र व सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्तें इन्टरनेट वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in तथा www.sppp.raj.nic.in पर दिनांक 11.10.2024 को प्रातः 09:00 बजे से उपलब्ध होकर दिनांक 21.10.2024 सायं 06:00 बजे तक ऑनलाईन जमा किये जा सकते है। निविदाओं का निविदा शुल्क, धरोहर राशि व प्रोसेसिंग फीस श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल के बैंक ऑफ बडौदा, शाखा-मण्डफिया के खाता क्रमांक-52430100000001 IFSC-BARBOMANDPH में RTGS/NEFT/IMPS के माध्यम से जमा करवानी होगी। प्राप्त निविदाओं का तकनिकी निविदाएं दिनांक 22.10.2024 को दोपहर 12:00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी।

UBN-SMM2425WSOB00079

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल

एस.ओ.जी. ने आर.पी.ए. से पांच ट्रेनी एस.आई. को हिरासत में लिया

- **दिनेश और प्रियंका के पिता अफीम तस्कर भागीरथ विश्नोई ने गोपाल सारण को एसआई भर्ती पेपर के लिए 15 लाख रुपए दिए थे।**
- **गोपाल सारण ने अपने भाई भूपेंद्र सारण से पेपर लेकर परीक्षा से पहले जयपुर के हीरापुरा में प्रियंका को दिया था।**

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में बुधवार को जयपुर में राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) पहुंचकर 5 ट्रेनी एसआई को हिरासत में लिया। एसओजी ने इनसे पूछताछ करने में जुटी है। पूछताछ के बाद उनकी गिरफ्तारी संभव है। मामले में अब तक 45 ट्रेनी एसआई की गिरफ्तारी हो चुकी है।

गौरतलब है कि दो दिन पहले रविवार को एसओजी ने आरपीए में ट्रेनिंग कर रहे दो ट्रेनी एसआई सगे भाई-बहन दिनेश (27) और प्रियंका (28) को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में पता चला कि पेपर लीक से जुड़े और भी ट्रेनी एसआई ट्रेनिंग ले रहे हैं। पूछताछ में मिली जानकारी के बाद एसओजी ने जांच शुरू की। बुधवार सुबह 8 बजे एसओजी की टीम आरपीए स्थित ट्रेनिंग सेंटर पहुंची, जहां से 5 ट्रेनी एसआई को हिरासत में लेकर एसओजी मुख्यालय लाया गया है।

पेपर लीक केस में पकड़े गए दिनेश और प्रियंका के मामले में कई खुलासे हो चुके हैं। दिनेश और प्रियंका के पिता भागीरथ विश्नोई की मुलाकात साल 2021 में जोधपुर जेल में भूपेंद्र सारण के भाई गोपाल सारण और ओमप्रकाश फौजी से हुई थी। भागीरथ विश्नोई एनडीपीएस के एक केस में जेल गया हुआ था। इस दौरान गोपाल सारण ने भागीरथ विश्नोई को उसके बेटे-बेटी के लिए एसआई भर्ती का पेपर दिलाने की बात कही थी।

अफीम तस्कर भागीरथ विश्नोई ने गोपाल सारण को एसआई भर्ती पेपर के लिए 15 लाख रुपए दिए थे। गोपाल सारण ने अपने भाई भूपेंद्र सारण से पेपर लेकर परीक्षा से पहले जयपुर के हीरापुरा में प्रियंका को दिया था। दूसरी शिफ्ट का पेपर दिनेश के मोबाइल पर भेजा। जांच में पुष्टि होने के बाद एसओजी ने भागीरथ की गिरफ्तारी के लिए कई जगहों पर दबिश दी, लेकिन वह अभी फरार चल रहा हैं।

अब तक 45 ट्रेनी एसआई गिरफ्तार

एसआई भर्ती 2021 में पेपर लीक के मामले में एसओजी अब तक 45 चयनित ट्रेनी एसआई और पेपर लीक गैंग से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी कई ट्रेनी एसआई एसओजी के रडार पर चल रहे हैं। एसओजी ने इसी साल अप्रैल में पहली बार इस एग्जाम से जुड़े ट्रेनी एसआई की गिरफ्तारी की थी।

वहीं एसआई भर्ती 2021 धांधली मामले में डमी अभ्यर्थी बनकर बैठने वाली वर्षा बिश्नोई को सोमवार सुबह जोधपुर रेंज की टीम ने कोटा से गिरफ्तार किया था। जो काफी समय से स्टूडेंट बनकर फरारी काट रही थी। अब एसओजी वर्षा बिश्नोई से पूछताछ करेगी। वर्षा जालोर के सांचौर के सरनाऊ गांव की रहने वाली है।

भूपेंद्र सारण साल 2011 में जीएनएम भर्ती पेपर आउट प्रकरण और वर्ष 2022 में पुलिस कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में भी शामिल था। वह फिलहाल जेल में है। एटीएस एसओजी ने सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक मामले में भूपेंद्र सारण को बेंगलुरु एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। वहीं एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य रामू राम राईका, उसके बेटे देवेश राईका और बेटी शोभा राईका की भी गिरफ्तारी हुई है।

रामूराम राईका ने अपने बेटे-बेटी के लिए एसआई परीक्षा से 6 दिन पहले ही पेपर की व्यवस्था कर दी थी। रामूराम जानता था कि बेटे-बेटी पेपर को भी एक-दो दिन में पढ़कर पास नहीं कर सकते। इसलिए छह दिन तक दोनों बच्चों को पेपर की तैयारी कराई गई। राईका ने पूछताछ में बताया था कि उसे पेपर तत्कालीन आरपीएससी मेंबर बाबूलाल कटारा से मिला था।

इसके बाद निलंबित मेंबर कटारा को भी जयपुर सेंट्रल जेल से प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लिया गया। जब देवेश और शोभा से एसओजी ने पूछताछ की तो उन्होंने बताया था कि ट्रेनिंग सेंटर में और भी एसआई हैं, जो पेपर लीक से जुड़े हैं। इसके बाद दिनेश और प्रियंका की गिरफ्तारी हुई थी।

एसओजी को देख पसीने छूटने लगे

एसओजी एएसपी रामसिंह ने बताया कि दिनेश और प्रियंका से इनपुट मिलने के बाद टीम ट्रेनिंग सेंटर पहुंची। जिन पांच ट्रेनी एसआई के नाम सामने आए थे, वे पांचों सेमिनार हॉल में थे। इन्हें हॉल से बाहर बुलाया गया। जैसे ही उनको पता चला कि एसओजी की टीम पूछताछ के लिए आई है तो इनके पसीने छूटने लगे। इसके बाद इनसे हॉल के बाहर ही पूछताछ की गई और फिर इन्हें साथ लेकर एसओजी मुख्यालय आ गई। उन्होंने बताया कि अभी पांचों हिरासत में है और कभी भी इनकी गिरफ्तारी हो सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की सरकार बनने पर हरियाणा भाजपा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया को जयपुर आवास पर प्रदेशभर से आये पार्टी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने बधाई दी। पूनिया को उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा, कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर, सुमित गोदारा, सांसद लुंबाराम चौधरी, विधायक हमीर सिंह भायल, शोभा चौहान, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई, निर्मल कुमावत, रूपाराम मुरावतिया, भाजपा राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला, जयपुर पूर्व मेयर पंकज जोशी, भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर जिला अध्यक्ष चेतन कुमावत, भाजपा प्रदेश पैनलिस्ट राखी राठौड़, मनीष पारीक, सुरेश गर्ग, अशोक शेखावत, भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा सहित प्रदेश भर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं, सांसद, विधायकों ने हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा देने वाले सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त किया

जयपुर। सरकारी सेवा में रहते डमी कैंडिडेट बन कर परीक्षा देने वाले एक सरकारी कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया हैं। आरोपित ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में पैसा लेकर एक अभ्यर्थी के जगह पर परीक्षा दी थी।

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2019 में डमी अभ्यर्थी बैठाने के सम्बन्ध में वर्ष 2020 में एक एफआईआर दर्ज हुई थी।

जिस में अभ्यर्थी नीरज कुमार जाट पुत्र प्रकाश चन्द निवासी नंगला देशवाल, पोस्ट जाटोली थून, थाना डीग, भरतपुर रोल नम्बर 219204254 जिसका परीक्षा केन्द्र मूर्ति देवी पी जी कॉलेज, अनाज मंडी के पास अलवर बाईपास रोड बानसूर में आया था। 6 नवम्बर 2020 को नीरज कुमार जाट के स्थान पर लोकेश कुमार मीना, पर्यवेक्षक (परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी) बसेडी, जिला धौलपुर डमी परीक्षार्थी के रूप बैठ कर परीक्षा देते हुए पकड़ा गया। जिसे गिरफ्तार किया गया। बाद में उसे निलम्बित कर दिया गया था।

लोकेश कुमार मीना के खिलाफ एसओजी ने एक गलत आचरण की रिपोर्ट विभाग को भिजवाई। लोकेश कुमार मीना को आपराधिक प्रकरण में शामिल पाए जाने एवं चालान पेश होने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त ने उसे राजकीय सेवा से तुरन्त प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। एसओजी द्वारा डमी परीक्षा देने वाले एवं पेपर लीक गैंग के सहयोगी राजकीय कर्मी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की दिन प्रतिदिन स्तर पर मॉनिटरिंग जारी है।

दवा व्यापारियों से भाजपा में जुड़ने का आव्हान किया

जयपुर। भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत जयपुर के फिल्म कॉलोनी में सदस्यता अभियान शिविर लगाया गया। जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने फिल्म कॉलोनी दवा व्यापारियों से भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने का आव्हान किया। अभियान जिला संयोजक शैलेंद्र भार्गव ने कहा कि इसमें एक हजार से अधिक लोगों को सदस्यत बनाया गया। अभियान के दौरान किशनपोल विधानसभा प्रत्याशी चंद्र मोहन बटवाड़ा, हेरिटेज महापौर कुसुम यादव, जयपुर जिला सदस्यता प्रभारी बीपी सारस्वत एवं केमिस्ट एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। भार्गव ने केमिस्ट समुदाय से सदस्य संख्या कम से कम 5000 करने का आव्हान किया।

हाऊसिंग बोर्ड ने ई-नीलामी से बेचीं 246 संपत्तियां

- **बुधवार नीलामी उत्सव में दिखा आमजन का उत्साह : डॉ. रश्मि शर्मा**
- **'इन आवास, फ्लैट्स और भूखंडों में 10 फीसदी भुगतान देकर गृह प्रवेश किया जा सकेगा'**

आवासन आयुक्त डॉ.रश्मि शर्मा

जयपुर। अपने घर का सपना संजोने वाले लोगों को राजस्थान आवासन मण्डल की ओर से बेहतरीन सौगात दी गई है। समाज के हर वर्ग की आर्थिक स्थिति को देखते हुए आवासन मण्डल की ओर से शुरू किए गए बुधवार नीलामी उत्सव को लेकर आमजन में काफी उत्साह देखने को मिला।

आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि आवासन मण्डल की ओर से 9 अक्टूबर को आयोजित किए गए बुधवार नीलामी उत्सव में कुल 246 आवासीय सम्पत्तियों का निस्तारण किया गया। जिसके तहत जयपुर वृत्त प्रथम में 45, जयपुर वृत्त द्वितीय में 1, जयपुर वृत्त तृतीय में 119 जोधपुर वृत्त प्रथम में 51, जोधपुर वृत्त द्वितीय में 23, उदयपुर वृत्त में 6 और अलवर वृत्त में 1 आवासीय सम्पत्तियां शामिल हैं। जिस से मण्डल लगभग 60 करोड़ का राजस्व अर्जित करेगा । इसी कड़ी में कुल 50 व्यावस्यिक संपत्तिया इस बुधवार नीलामी में निस्तारित की गई जिसमे जयपुर वृत्त द्वितीय में 14 भूखंड एवं कोटा वृत्त में 35 भूखंड तथा अलवर वृत्त में 1 निर्मित दुकान शामिल है। जिस से लगभग 6.5 करोड़ का राजस्व मण्डल अर्जित करेगा ।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि मंडल की ओर से 50 फीसदी तक की छूट के साथ उपलब्ध करवाए जा रहे इन आवास, फ्लैट्स और भूखंडों में 10 फीसदी भुगतान देकर गृह प्रवेश किया जा सकेगा। जबकि बाकी भुगतान 156 आसान मासिक किश्तों में किया जा सकेगा। इस योजना में आवेदन के लिए ई-मित्र पर 100 रुपए का शुल्क देकर ई-बिड सबमिशन में भाग लिया जा सकता है। इसके अलावा ऑनलाइन प्रस्ताव देने के लिए आवासन मंडल की वेबसाइट पर पूरी जानकारी उपलब्ध करवा दी गई है।

जितेंद्र गोठवाल का स्वागत

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल के जन्मदिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय उनका भव्य स्वागत किया गया। खंडार से जयपुर कार्यालय आते समय रास्ते में कार्यकर्ताओं ने जितेंद्र गोठवाल का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर बधाई दी। भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि भाजपा कार्यालय में महामंत्री जितेंद्र गोठवाल को दुपट्टा पहनाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी। भाजपा कार्यालय में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने जितेंद्र गोठवाल को पुष्प मालाएं पहनाई। इस दौरान कार्यालय सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, रजनीश चनाना के साथ सुरेश गर्ग, खेमचंद शर्मा, भवानी सिंह, कालू मीणा सहित कई कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दी।

कॉन्गो फीवर को लेकर प्रदेशभर में सतर्कता बरतने के निर्देश

जयपुर । प्रदेश में कॉन्गो फीवर से एक मौत की पुष्टि होने के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेशभर में इस बीमारी की रोकथाम एवं बचाव के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अहमदाबाद के एनएचएल म्यूनिसिपल मेडिकल कॉलेज में उपचाराधीन कॉन्गो फीवर से पीड़ित जोधपुर निवासी 51 वर्षीय महिला की बुधवार को मौत हो गई। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वायरोलॉजी, पुणे में हुई जांच में महिला का सैंपल पॉजिटिव पाया गया।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि जोधपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रभावित क्षेत्र में रेपिड रेस्पॉन्स टीम भेजकर संक्रमण की रोकथाम के लिए निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही, क्षेत्र में संदिग्ध एवं सिम्पटोमेटिक रोगियों की ट्रेसिंग कर उन्हें आइसोलेशन में रखने को कहा गया है। डॉ. माथुर ने बताया कि कॉन्गो फीवर एक जूनोटिक वायरल डिजीज है, जो टिक (पिस्सू) के काटने से होती है। इसे देखते हुए पशुपालन विभाग को इस बीमारी से बचाव एवं रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा गया है।

प्रज्ञा ने शुरू किया योग केन्द्र

जयपुर। नवरात्रि पर धावास इलाके में जगदम्बा नगर स्थित शिव शक्ति योग केंद्र का उद्घाटन बुधवार को जयपुर की पूर्व महापौर एवं वरिष्ठ पार्षद शील धाबाई ने किया। इस कार्यक्रम की आयोजक प्रज्ञा शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुईं शील धाबाई को एक छोटी कन्या यशिका के हाथों तिलक लगाकर उनका स्वागत किया गया। प्रज्ञा ने बताया कि आज उनके जन्म दिवस पर नए योग केंद्र का शुरू होना उनके लिए बहुत ही खुशी का पल है।

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

जयपुर । मानसरोवर थाना इलाके में एक बदमाश ने युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने पीड़ित के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार अशोक वाटिका सांगानेर निवासी ललित आर्य ने मामला दर्ज करवाया कि वह किसी काम से मानसरोवर आया था। यहां पर अंकुश मीणा ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।

'सरस' राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज करवायेगा अपनी मौजूदगी

- **केन्द्रीय पशुपालन राज्यमंत्री डॉ. बघेल ने दिया विस्तार में सहयोग का भरोसा**

जयपुर । राजस्थान में सहकारी क्षेत्र का प्रतिष्ठित सरस मिल्क ब्राण्ड अब दिल्ली, एनसीआर और उत्तर प्रदेश में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करायेगा। भारत सरकार ने राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन के दिल्ली, एनसीआर और उत्तर प्रदेश में विस्तार कार्यक्रमों के लिये हर संभव सहायोग का आश्वासन दिया है। यह आश्वासन आज यहा दो दिवसीय राजकीय दौरे पर आये केन्द्रीय पशुपालन राज्यमंत्री डॉ0 एस0पी0 सिंह बघेल ने दिया। राजस्थान में डेयरी विकास के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में डेयरी विकास की अपार संभावनाऐं हैं और भारत सरकार इस क्षेत्र में राज्य सरकार और आरसीडीएफ को हर संभव मदद मुहैया करायेगी।

इस अवसर पर राज्य के पशुपालन, देवस्थान और गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत और डेयरी और ग्रह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने उन्हें बताया कि राईजिंग राजस्थान के दौरान डेयरी के क्षेत्र में 500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने आरसीडीएफ एवं जिला दुग्ध संघों की भौतिक एवं आर्थिक गतिविविधयों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरसीडीएफ द्वारा गत वित्तीय वर्ष में रिकार्ड लाभ अर्जित किया है। उन्होंने आरसीडीएफ द्वारा दिल्ली एनसीआर और उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित विस्तार, एक्सपोर्ट, नवाचार, नये सरस उत्पाद जैसे कोल्ड कोफी और डाईट आधारित उत्पाद आदि की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर केन्द्रीय पशुपालन मंत्री बघेल ने आरसीडीएफ के सरस दीवाली गिफट हैंड पैक को भी लॉन्च किया। दीवाली गिफ्ट पैक में सरस उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की तारीफ करते हुए उन्होंने आरसीडीएफ द्वारा दीवाली जैसे बडे त्यौहार के मौके पर आम उपभोक्ताओं को स्वादिष्ट एवं स्वास्थवर्धक मिठाईयां उपलब्ध कराने के प्रयास की जमकर तारीफ की।

पूर्व मंत्री कालीचरण सराफ हुए कोर्ट में हाजिर

जयपुर। शहर के बापूनगर के जनता स्टोर पर 24 साल पहले नगर निगम की कार्रवाई के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट के हाथ से कागज फाडने और राजकार्य में बाधा डालने से जुडे मामले में पूर्व मंत्री कालीचरण सराफ बुधवार को साम्प्रदायिक दंगा मामलों की विशेष अदालत में पेश हुए। गत सुनवाई को अदालत ने आरोपी सराफ, पूर्व पार्षद इन्द्र संघी, धर्मदास मोटवानी और बंसत चौधरी को पेश होने को कहा था। इस आदेश के पालन में ही सराफ अपने अधिवक्ता के साथ कोर्ट में उपस्थित हुए। कोर्ट ने अब मामले की सुनवाई 5 नवंबर तय की है। यह मामला फिलहाल साक्ष्यों को रिकार्ड पर लेने के स्तर पर चल रहा है। मामले के अनुसार 20 नवंबर 2000 को नगर निगम की चालान काटने की कार्रवाई को लेकर विवाद हो गया था। जिस पर तत्कालीन न्यायिक मजिस्ट्रेट-19 ने साल 2002 में सीजेएम कोर्ट में परिवाद दायर किया था। इसमें आरोप लगाया था कि कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने उनके हाथ से सरकारी कागज को फाडा और राजकार्य में बाधा पैदा की गई। इसलिए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं आरोपी पक्ष का कहना है कि नगर पालिका अधिनियम की धारा 265 के तहत केवल जयपुर नगर निगम के बोर्ड को ही अभियोजन की मंजूरी देने व चालान काटने का अधिकार है।

सेवा बस्तियों में संचालित प्रकल्पों का वार्षिकोत्सव 12 को

जयपुर। सेवा भारती, जयपुर महानगर की सेवा बस्तियों में संचालित प्रकल्पों का वार्षिकोत्सव 12 अक्टूबर को वैशालीनगर स्थित श्री खंडेलवाल वैश्य महिला महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैय्याजी जोशी के सान्निध्य में आयोजित वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि कोगटा फाउण्डेशन के ट्रस्टी राधाकृष्ण कोगटा होंगे। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी ओमप्रकाश अग्रवाल होंगे। अध्यक्षता जे.के.डी. बिल्डर्स ग्रुप के चैयरमेन जुगल किशोर डेरावाला करेंगे। वार्षिकोत्सव में 170 सेवा बस्तियों के बच्चे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

रेजीडेंट डॉक्टर्स भूख हड़ताल पर बैठे

कलकत्ता के आरजी.कर. मेडिकल कॉलेज में रेजीडेंट महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर डॉक्टर्स ने विरोध-प्रर्दशन किया

कलकत्ता में रेजीडेंट महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर बुधवार को सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में रेजीडेंट्स ने भूख हड़ताल पर बैठकर न्याय की मांग की।

जयपुर । पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेजीडेंट महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर बीते दो महीने से लगातार विरोध जारी है। जिसके तहत पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए एक बार फिर से देश भर के रेजीडेंट चिकित्सक आंदोलन कर रहे हैं। इसी कड़ी में जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर्स एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।

एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनोहर सियोल का कहना है कि पश्चिम बंगाल की घटना को बीते दो महीने हो चुके हैं, लेकिन अभी भी पीड़िता को न्याय नहीं मिल पाया है। जिसके बाद पूरे देश के चिकित्सा वर्ग में रोष व्याप्त है। ऐसे में देशभर में इस घटना का विरोध लगातार जारी है। अलग-अलग स्थानों पर भूख हड़ताल की जा रही है। जिसके तहत एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भी रेजीडेंट चिकित्सक भूख हड़ताल पर बैठे हैं। बुधवार को डॉ. मनोहर सियोल, डॉ. सुधांसु सारंण, कविता सिंघल और डॉ. मनीष भूख हड़ताल पर बैठे। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि पीड़िता को न्याय मिले और चिकित्सकों को सुरक्षा ताकि भविष्य में इस तरह का घटनाक्रम दोबारा न हो सके। इसके साथ ही रेजीडेंट चिकित्सकों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जब तक आरोपियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी और पीड़िता को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन लगातार जारी रहेगा।

सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से अटेच अस्पतालों में कार्य कर रहे रेजीडेंट हड़ताल रहे। यह हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। दरअसल रेजीडेंट चिकित्सकों ने सरकार पर वादाखिलाफी के आरोप लगाए हैं। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर्स के प्रेसीडेंट डॉ. मनोहर सियोल का कहना है कि कोलकाता में एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुए जघन्य अपराध के विरोध में हड़ताल की गई थी और सरकार से मांग रखी गई थी कि राजस्थान के मेडिकल कॉलेजों में सुरक्षा व अस्पताल में सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके बाद सरकार ने आश्वासन दिया था कि रेजीडेंट चिकित्सकों की मांगों को एक माह में पूरा किया जाएगा। लेकिन अभी तक सरकार ने मांगों को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। चिकित्सकों के प्रति प्रशासन का उदासीन रवैया और बार-बार अनुरोध करने के बावजूद लंबित मांगों की अनदेखी से आहत होकर एसएमएस मेडिकल कॉलेज की जीबीएम में रेजीडेंट डॉक्टर कड़ा निर्णय लेने को बाध्य हुए हैं।

सहकारी बैंकों में 450 पदों पर भर्ती शीघ्र

जयपुर । सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को बताया कि प्रदेष के 29 जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों तथा राजस्थान राज्य सहकारी बैंक में बैंकिंग सहायक, प्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक एवं कम्पयूटर प्रोगामर के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ की जायेगी। उन्होंने बताया कि सहकारी बैंकों में कार्य निष्पादन में जवाबदेही सुनिष्चित करने के लिये रिक्त पदों पर भर्ती की जायेगी। दक ने बताया कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं लैम्पस में कार्यरत व्यवस्थापकों के लिये जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों में बैंकिंग सहायक के पदों में 20 प्रतिषत पद आरक्षित किये गये हैं ताकि जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे व्यवस्थापकों के कार्य अनुभव का लाभ लिया जा सके। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सहकारी बैंकों में पैक्स व्यवस्थापक से बैंकिंग सहायक के पद पर चयन हेतु नियम जारी कर दिये गये हैं। सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि जिला सहकारी बैंकों में 299 पदों पर बैंकिंग सहायक, 92 पदों पर प्रबंधक तथा 7 पदों पर कम्प्यूटर प्रोग्रामार की भर्ती के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। राजस्थान राज्य सहकारी बैंक में 46 पदों पर बैंकिंग सहायक, 7 पदों पर प्रबंधक, 5 पदों पर वरिष्ठ प्रबंधक के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने भाजपा का सदस्य बनने की अपील की

- **'भाजपा सदस्यता अभियान ने नया इतिहास रचा, मात्र 30 दिन में ही 8 करोड़ से अधिक लोग पार्टी के सदस्य बने'**

जयपुर। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से लोकप्रिय भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी कुशल मार्गदर्शन में विकसित भारत और राजस्थान के स्वर्णिम विकास के लिए भाजपा का सदस्य बनने की अपील की है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि भाजपा के सदस्यता अभियान ने नया इतिहास रचा है। मात्र 30 दिन में ही 8 करोड़ से अधिक लोग पार्टी के सदस्य बने हैं। राठौड़ ने कहा, 8800002024 पर मिस्ड कॉल या नमो ऐप के माध्यम से बीजेपी परिवार से जुड़कर आत्मनिर्भर-विकसित भारत के सकंल्प को पूरा करने में अपना योगदान सुनिश्चित करें। राठौड़ ने कहा, अन्य राजनीतिक दलों में किसी खास परिवार या विशेष जाति का व्यक्ति ही पार्टी का अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन भाजपा में एक गरीब घर से आने वाला साधारण व्यक्ति भी देश का प्रधानमंत्री और पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। भारतीय जनता पार्टी देश की एकमात्र पार्टी है, जहां प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री तक, राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक और जिलाध्यक्ष से लेकर मण्डल अध्यक्ष तक, पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को 6 वर्ष बाद अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करवाना होता है। भारतीय जनता पार्टी गांव, गरीब, वंचित, दलित, शोषित, किसान, युवा, महिला सशक्तिकरण की पार्टी है। हमारे कार्यकर्ता सरकार और संगठन के बीच कड़ी का काम करते हैं।

संस्कृत विवि. में अवकाश 25 से

जयपुर (कासं)। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में दीपावली की छुट्टियां 25 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 3 नवंबर तक होगी। कुलसचिव खेमाराम यादव ने बताया कि इस दौरान विश्वविद्यालय में सभी शैक्षिणक विभाग एवं अशैक्षिणक कार्यालय बंद रहेंगे। कुलसचिव ने बताया कि दशहरा अवकाश 10 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक रहेगा।

दुबई से लौटे यात्री में मंकी पॉक्स की पुष्टि नहीं हुई

जयपुर । दुबई से जयपुर लौटे यात्री के जांच में मंकी पॉक्स नहीं होने की पुष्टि हुई है। बुधवार को आई जांच रिपोर्ट में यात्री को मंकी पॉक्स की बीमारी नहीं पाई गई। बल्कि, यात्री को चिकन पॉक्स की समस्या है। ऐसे में मेडिकल स्टाफ ने सभी रिपोर्ट सामान्य आने के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया है।

दरअसल, मंगलवार को स्पाइसजेट के विमान से एक यात्री दुबई से जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा था। जहां उसका स्वास्थ्य खराब होने के बाद शुरुआती जांच में यात्री में मंकी पॉक्स के लक्षण पाए गए। ऐसे में वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन की गाइडलाइन को देखते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इसकी जानकारी मेडिकल डिपार्टमेंट को दी। इसके बाद मरीज को एयरपोर्ट से सीधा आरयूएचएस हॉस्पिटल भेजा गया। जहां मरीज को हॉस्पिटल में एडमिट कर उनकी जांच करवाई गई थी। इसके बाद बुधवार को आई जांच के बाद ही पता चला की यात्री को मंकी पॉक्स नहीं बल्कि, चिकन पॉक्स से ग्रसित था। हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर अजीत सिंह ने बताया कि मंकी पॉक्स को लेकर हॉस्पिटल में विशेष व्यवस्था की गई है। एक पूरा फ्लोर सिर्फ मंकी पॉक्स से ग्रसित मरीजों के इलाज के लिए रखा गया है। एयरपोर्ट से आए संदिग्ध मरीज की भी जांच करवाई गई थी। जिसकी रिपोर्ट में मंकी पॉक्स के लक्षण नहीं आने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है।

मोबाइल वेटरनरी यूनिट के कॉल सेंटर से घर बैठे मिलेगी पशु चिकित्सकों की सुविधा

मोबाइल वेटरनरी यूनिट के कॉल सेंटर का लोकार्पण करने के बाद महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित व भाजपा जिला अध्यक्ष विजय आचार्य ने अवलोकन किया।

- मोबाइल वेटरनरी यूनिट 1962 के कॉल सेंटर का लोकार्पण
- पशुपालक 1962 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर अपने बीमार पशु की चिकित्सा के लिए संपर्क कर सकते हैं
- श्रीडूंगरगढ ब्लॉक में 3 मोबाइल वेटरनरी यूनिट शिविर लगाकर पशुपालकों को सेवाएं दे रही है

बीकानेर,(कासं)। पशुपालन विभाग द्वारा मोबाइल वेटरनरी यूनिट 1962 के कॉल सेंटर का लोकार्पण बुधवार को किया गया।

पशुपालन विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में इस कॉल सेंटर का लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह से जिला स्तरीय कार्यक्रम को जोड़ा गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम जस्सूसर गेट स्थित वेटरनरी हेल्थ कार्यालय में हुआ। मुख्य अतिथि महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित ने कहा कि इस योजना के संचालन से पशुपालकों को घर बैठे ही पशु चिकित्सा सुविधा का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने इस योजना का प्रचार-प्रसार करने की बात कही और आमजन से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा की इससे पशुधन की जीवन की हो सकेगी।

पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. कुलदीप चौधरी ने बताया कि जिला स्तर पर मोबाइल वेटरनरी यूनिट 1962 इस वर्ष 24 फरवरी से संचालित है। इसके तहत सितम्बर तक 8 हजार शिविरों के माध्यम से जिले के 25 हजार 352 पशुपालकों को लाभ दिया जा चुका है। इसके माध्यम से 1 लाख 36 हजार 184 बीमार पशुओं का इलाज किया गया है। कॉल सेंटर के माध्यम से पशुपालक 1962 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर अपने बीमार पशु की चिकित्सा के लिए संपर्क कर सकते हैं।

इसके साथ ही चिकित्सा के लिए मोबाइल वेटरनरी यूनिट (एमवीयू) पशुपालक के घर तक पहुंच जाएगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ ओमप्रकाश परिहार ने किया। जिला नोडल अधिकारी डॉ शशिकांत शर्मा ने योजना की जानकारी दी। कार्यक्रम में विजय आचार्य और श्यामसुंदर चौधरी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

श्रीडूंगरगढ़ के पशुपालन विभाग के खंड कार्यालय में मोबाइल वेटरनरी यूनिट के हेल्पलाइन नंबर 1962 का लोकार्पण विधायक ताराचंद सारस्वत ने किया। केन्द्र प्रवर्तित योजना के तहत राजस्थान में 536 मोबाइल वेटरनरी यूनिट से पशुपालकों को उनके घर पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि श्रीडूंगरगढ ब्लॉक में 3 मोबाइल वेटरनरी यूनिट शिविर लगाकर पशुपालकों को सेवाएं दे रही हैं। अब 1962 कॉल सेंटर प्रारंभ होने पर पशुपालकों को उनको दरवाजे पर ही पशु चिकित्सा सेवा मिल सकेंगी। इस पर फोन कर पशुपालक इन सेवाओं का लाभ ले सकेगा। प्रत्येक मोबाइल यूनिट के लिए एक पशु चिकित्सा अधिकारी, एक तकनीकी पशु चिकित्सा कर्मी तथा एक ड्राइवर कम पशु परिचालक की व्यवस्था की गई है।

कॉल सेंटर में 10 पशु चिकित्सकों और तकनीकी पशु चिकित्सा कर्मियों के दल को नियोजित किया जायेगा। राज्य स्तरीय कॉल सेंटर के माध्यम से सामान्य रोगों के उपचार हेतु टेली मेडिसिन व्यवस्था की जायेगी। इस दौरान विधायक सारस्वत ने कहा है कि राज्य सरकार की यह महत्वपूर्ण योजना है।

सरहदी क्षेत्र में जनसुनवाई करेगी कलेक्टर

बीकानेर, (कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की पहल पर 'मिशन सरहद संवाद' कार्यक्रम चलाया जायेगा। इसके तहत जिला कलेक्टर सरहदी क्षेत्र के गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद करेंगी और उनकी समस्याएं सुनेंगी।

सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगी और पात्र लोगों को इनका लाभ दिलाया जायेगा। साथ ही सीमांत क्षेत्र के गांवों के विकास का रोडमैप तैयार करते हुए यहां सभी आधारभूत सुविधाएं मुहैया करवाने की दिशा में भी काम होगा। जिला कलेक्टर ने बताया कि अभियान का उद्देश्य सीमांत क्षेत्र में रहने वाले लोगों को मुख्यधारा से जोड़ना है। इसके तहत 10 अक्टूबर से 12 दिसम्बर तक सीमावर्ती ग्राम पंचायत में जनसुनवाई की जायेगी।

इस दौरान प्रयास रहेगा कि अधिकतर समस्या मौके पर ही निस्तारित हो। संबंधित उपखण्ड अधिकारी इसका नोडल और विकास अधिकारी सहायक नोडल अधिकारी होगा। इस दौरान विभागों के जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान क्षेत्र में हुए विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन और गुणवत्ता की जांच की जायेगी। जिला कलेक्टर ने बताया कि मिशन सरहद संवाद से जुड़ी समस्त सूचनाओं के आदान-प्रदान, नियमित मॉनिटरिंग तथा समन्वय के लिए टीम का गठन किया गया है।

विद्यार्थी विनम्र रहेंगे तो कोई कार्य नहीं रूकेंगे : अरुण कुमार

कृषि महाविद्यालय बीकानेर में नवागंतुक विद्यार्थियों के ओरियंटेशन कार्यक्रम को कुलपति प्रो. अरूण कुमार सिंह ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध कृषि महाविद्यालय बीकानेर में नवागंतुक बीएससी, एमएससी, पीएचईडी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पूर्व निदेशक बीज डॉ सी.पी.सचान थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की। डॉ सी.पी सचान ने कहा कि विद्यार्थियों को आज अगर सफल होना है तो बहुआयामी प्रतिभाशाली होने की आवश्यकता है। आगे किस फील्ड में जाना है इसको लेकर भी कॉलेज में आए विद्यार्थियों का विजन क्लीयर होना चाहिए।

विपरीत परिस्थितियों में काम करने और ग्रुप लीडर के रूप में काम करने की क्वालिटी भी विकसित करें। स्टूडेंट्स में क्राइसिस ऑफ ओनरशिप की भावना भी विकसित होनी चाहिए। यानि विद्यार्थी विश्वविद्यालय को अपना समझें तभी विश्वविद्यालय भी तरक्की करता है और स्टूडेंट्स भी अपने जीवन में ऊंचाईयों को छूते हैं।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि कुलपति होने के नाते हम सभी स्टूडेंट्स के अभिभावक हैं और अभिभावक के रूप में हमेशा स्टूडेंट के साथ खड़े मिलेंगे। उन्होंने स्टूडेंट्स को सीख देते हुए कहा कि आप अपने जीवन में जितने विनम्र रहेंगे आपके कोई कार्य नहीं रूकेंगे। साथ ही सीनियर्स को सम्मान देने और अधिक से अधिक स्वाध्याय करने की सीख भी दी।

वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री ने स्टूडेंट्स से कहा कि आपने कृषि विषय चुना है तो इसमें ताउम्र देश सेवा भी सम्मिलित है। आप भविष्य में किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक की जानकारी देंगे। साथ ही कहा कि यहां के कुलपति डॉ अरुण कुमार स्टूडेंट्स के लिए समर्पित हैं।

पीबीएम के आस पास से हटेगा अतिक्रमण

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से संबद्ध बीकानेर संभाग के सबसे बड़े चिकित्सालय पीबीएम अस्पताल के सौन्दर्यकरण अतिक्रमण और सफाई व्यवस्था के मुद्दों पर बुधवार को प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. गुंजन सोनी एवं महापौर सुशीला कंवर के बीच शिष्टाचार भेंट हुई। इस दौरान मेयर ने कहा कि बीकानेर नगर निगम द्वारा पीबीएम परिसर के पास अतिक्रमण हटवाने की कार्यवाही शीघ्र शुरू करवा दी जायेगी।

इसके अतिरिक्त निगम पीबीएम परिसर में सौन्दर्यकरण के कार्य भी करवाएगा और सफाई व्यवस्था को लेकर नियमित मॉनिटरिंग निगम द्वारा की जायेगी। महापौर द्वारा पीबीएम को लेकर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों पर प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि मेयर के इस निर्णय से मरीजों एवं उनके परिजनों, कार्मिकों, डॉक्टर्स एवं अधिकारियों को काफी राहत मिलेगी। हाल ही में महापौर ने पीबीएम परिसर के लिए 3 हाईमास्ट लाइट, 100 एलईडी लाइट्स 90 वॉट की लगवाने के लिए यूओ नोट जारी कर स्वीकृति प्रदान की गई है।

सजे पंडाल, मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजित

- दुर्गा पूजा महोत्सव की शुरूआत, धार्मिक अनुष्ठान व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

बीकानेर,(कासं)। शारदीय नवरात्र में घर-घर और देवी मंदिरों में शक्ति की उपासना का क्रम चल रहा है। देवी उपासक, साधक और श्रद्धालु देवी का व्रत और आराधना कर रहे हैं। रात्रि जागरण का आयोजन हो रहा है। नवरात्र में दुर्गा पूजा महोत्सव का भी आगाज हो गया है।

गली-मोहल्लों और सार्वजनिक स्थलों पर सजे पंडालों में देवी प्रतिमाएं विराजित कर उनकी पूजा-अर्चना का क्रम प्रारंभ हो गया है। मंगलवार को कई स्थानों पर देवी प्रतिमाएं स्थापित कर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजन किया गया। देवी पाठ और मंत्र जाप हुए। बुधवार से भी कई स्थानों पर दुर्गा पूजा महोत्सव की शुरूआत होगी।

लखोटिया चौक प्रांगण में दुर्गा पूजा महोत्सव की शुरूआत हुई। विधि विधानपूर्वक देवी प्रतिमा स्थापित की गई। वेदपाठी ब्राह्मणों के मंत्रोच्चारण के बीच देवी प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई।

आयोजन से जुड़े श्रीबल्लभ पुरोहित ने बताया कि इस अवसर पर देवी पाठ और मंत्र जाप हुआ। रात्रि में डांडिया नृत्य का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में बालिकाओं व महिलाओं ने भाग लिया।

सिंह मण्डल, नृसिंह नवयुवक मण्डल व अशोक वाटिका सेवा समिति की ओर से आयोजित महोत्सव के तहत चार दिन डांडिया नृत्य का आयोजन होगा। 11 अक्टूबर को 551 कन्याओं का पूजन, महाप्रसाद और छप्पन भोग का आयोजन होगा। वहीं चौथाणी ओझा चौक में दुर्गा पूजा महोत्सव का आगाज देवी प्रतिमा को स्थापित करने और पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

दुर्गा पूजा महोत्सव के तहत रानी बाजार क्षेत्र स्थित बंगाली मंदिर में दुर्गा पूजा महोत्सव परंपरागत रूप से धूमधाम से मनाया जायेगा। बीकानेर बंगाली संस्थान के सचिव बबलू कुमार पुरकाईत के अनुसार महोत्सव में 10 अक्टूबर को महासप्तमी पूजा होगी।

सड़कों की मरम्मत के लिए 24 करोड़ रूपये मंजूर

बीकानेर, (कासं)। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राज्य में वर्षा से क्षतिग्रस्त 2 हजार 328 कार्यों की स्थाई मरम्मत के लिए 964.43 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इनमें बीकानेर जिले की 29 सड़कें शामिल हैं, जिनकी मरम्मत के लिए लिए 2401.01 लाख रुपए की स्वीकृति जारी की है।

इनमें इनमें राज्य मद की 2361 लाख तथा एसडीआरएफ के तहत 40.01 लाख रुपए सम्मिलित हैं। इस राशि से 118.26 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत के कार्य किए जाएंगे। स्वीकृत कार्यों में बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 115.50 लाख रुपए लागत से 3, बीकानेर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 50 लाख रुपए लागत से एक, खाजूवाला क्षेत्र में 649.23 लाख रुपए लागत से 8 तथा कोलायत क्षेत्र में 766.75 लाख रुपए की लागत से होने वाले 7 कार्यों की स्वीकृति जारी की है। लूणकरनसर क्षेत्र में 421.68 लाख रुपए लागत से 7, श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में 130.50 लाख रुपए लागत से एक तथा नोखा में 267.37 लाख रुपए लागत से 2 कार्यों की स्वीकृति जारी की गई है। उन्होंने सभी कार्य अविलम्ब शुरू करवाने तथा इसमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं।

विद्यार्थियों को जूते-जुराब बांटे

बीकानेर,(कासं)। महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन, बीकानेर ग्रेटर केन्द्र के तत्वावधान में बुधवार को राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय नत्थूसर मालियान के विद्यार्थियों को जूते एवं जुराबों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. नरेश गोयल थे। वितरण समारोह की अध्यक्षता कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी ने की। महेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जूता वितरण कार्यक्रम के भामाशाह किरण कुमार मूंधडा के सौजन्य से छियासठ नियमित छात्र-छात्राओं को स्कूल ड्रेस के जूते एवं जुराब उपलब्ध करवाये गए।

सानिया खालिद को माइक्रोसॉफ्ट में मिला 51 लाख का पैकेज

- सानिया ने कंप्यूटर साइंस में स्नातक की डिग्री ली है

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के संघटक अभियांत्रिकी महाविद्यालय यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग बीटेक बैच 2021-25 की छात्रा सानिया खालिद को प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी माइक्रोसॉफ्ट इंडिया में 51 लाख रूपए वार्षिक के पैकेज पर प्लेसमेंट मिला है।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर एवं एसोसिएट डीन डॉ. सुधीर भारद्वाज ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह प्रतिभाओं का सम्मान करती और उभरते हुए पेशावरों को रोजगार के स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है। सानिया ने माइक्रोसॉफ्ट में 51 लाख रुपये प्रति वर्ष का प्रभावशाली वेतन पैकेज हासिल करके असाधारण उपलब्धि अर्जित की है। सानिया की असाधारण जीत ने न केवल उनकी शैक्षणिक यात्रा पर एक स्थायी छाप छोड़ी है, बल्कि कई युवाओं के लिए प्रेरणा भी बन गई है। अपनी सफलता के सीक्रेट पर बात करते हुए सानिया कहती हैं कि हमेशा नई चीजों को सीखने के लिए तैयार रहें और लगातार नॉलेज को पाएं सीमाओं से परे जाकर खोज करने से बिल्कुल भी न डरें। कंप्यूटर साइंस में स्नातक की डिग्री के दौरान मुझे इस बात का अहसास हुआ कि तकनीक की इस तेज़-तर्रार दुनिया में प्रासंगिक बने रहने के लिए अपने कौशल को लगातार अपडेट करना कितना ज़रूरी है। कुलपति प्रो. अजय कुमार शर्मा ने सानिया खालिद को बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी।

जमीन से जुड़े मामलों का पूर्ण पारदर्शिता से निस्तारण कर आमजन को न्याय दें : कलेक्टर

हनुमानगढ़ कलेक्टर कानाराम ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकरियों की बैठक को संबोधित किया।

- जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तरीय और जनसुनवाई, राजस्थान सम्पर्क से प्राप्त प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित करें

हनुमानगढ़, (कासं)। जिला कलेक्टर कानाराम की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकरियों की बैठक हुई। राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि जमीन से जुड़े मामलों का पूर्ण पारदर्शिता से निस्तारण कर आमजन को न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाए। राजस्व के पुराने लम्बित प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित करें ताकि लोगों को राहत मिले।

जिला कलेक्टर ने कहा कि राजस्व संबंधी प्रकरणों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मुख्य सचिव गंभीर है। उच्च स्तर पर लगातार समीक्षा कर निगरानी रखी जा रही है। ऐसे में एक निश्चित समयावधि में निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तरीय और नियमित जनसुनवाई, रात्रि चौपाल, राजस्थान सम्पर्क और अन्य माध्यमों से प्राप्त प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित करें। इसमें परिवादी से बात कर संतुष्टि जानते हुए ही प्रकरण बंद किए जाए।

कानाराम ने राष्ट्रीय राजमार्ग 54 हनुमानगढ़ से कैंचिया के लिए भूमि अवाप्ति कार्य, प्राथमिक डिक्री, आर.टी. एक्ट, नामान्तरण, तलबी, गिरदावरी प्रगति, शिकायत मामलों, भूमि अवाप्ति, फसल कटाई प्रयोग, जनसुनवाई प्रकरण सहित विभिन्न विषयों पर समीक्षा की। उन्होंने फसल कटाई के साथ सीमाज्ञान और पत्थरगढ़ी के लम्बित प्रकरणों को निस्तारित कराने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम अपने क्षेत्रों के आगामी मेलों में कानून और सफाई व्यवस्था की तैयारियों पहले ही सुनिश्चित करें। सड़क विकास कार्यों का मौका निरीक्षण किया जाकर गुणवत्ता की जांच हो। झूलते तारों, टूटे-टेड़े पोल को ठीक कराएं। आवारा पशुओं से संभावित सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गौशाला में छुड़वाएं। जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा भी करें।

ग्वाला, कृष्णा ब्रांड घी अनसेफ

श्रीगंगानगर, (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है और नियमित रूप से सैंपल लिए जा रहे हैं। विभाग की ओर से लिए जाने वाले सैंपल्स की रिपोर्ट आने के बाद अब राज्य स्तरीय निर्देशानुसार ऐसे संस्थानों के नाम व खाद्य सामग्री का नाम सार्वजनिक किए जा रहे हैं, जो अनसेफ व सब स्टेंडर्ड मिले हैं।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि विभाग की ओर से अगस्त-सितम्बर में लिए गए खाद्य पदार्थों के लिए गए सैंपल्स में से सात की रिपोर्ट अमानक पाई गई है। इनमें वैन में पकड़ा गया घी अनसेफ मिला है। उल्लेखनीय है कि सीएमएचओ डॉ. सिंगला ने रात्रिकालीन समय में वैन से मिलावटी घी होने की आशंका में रीको स्थित एक संस्थान पर दबिश देकर घी को सीज किया था। इस दौरान सेंट्रल सिटी मार्केट रीको स्थित हर्ष ट्रेडिंग कंपनी पर 16 सितम्बर को एडिबल ऑयल और ग्वाला, कृष्णा ब्रांड घी का सैंपल लिया। विभागीय लैब जांच में एडिबल ऑयल सब स्टैंडर्ड और घी अनसेफ पाया गया।

सार-समाचार

पी.एच.सी. भवन का उद्घाटन

श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सावतसर के नए भवन का उद्घाटन किया।

बीकानेर, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सावतसर के नव-निर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान सारस्वत ने लाभार्थियों को निःशुल्क सोनोग्राफी के 'मां वाउचर' का वितरण किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर विधायक ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव सोनी, श्रीराम भादू, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. आयुष जानू, महीराम बिश्नोई, धूड़ाराम डेलू, हेमनाथ जाखड़, महेश राजोतिया, रामनिवास, शुभकरण, बीरबल, शंकर लाल, ज्ञानीराम, मास्टर भंवरलाल, कालूराम मेघवाल, शंकरलाल, हम्मानाराम, ओमप्रकाश, हेतराम, राजाराम, शुभकरण, भंवरलाल, रामरतन, बुधराम आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रामरतन बिश्नोई ने किया।

कन्या छात्रावास भवन का भूमि पूजन

बीकानेर, (कासं)। पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर परिसर में बुधवार को कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित द्वारा नए कन्या छात्रावास भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। कुलपति आचार्य दीक्षित ने बताया कि वेटरनरी प्रोफेशन में छात्राओं की रूचि लगातार बढ़ी है, जिससे प्रत्येक वर्ष छात्राओं का प्रवेश प्रतिशत बढ़ा है। सभी सुविधाओं से सुसज्जित 20 कमरों का नवीन छात्रावास तैयार किया जा रहा है जो कि इस महाविद्यालय में पढने वाली छात्राओं हेतु सुविधा के साथ-साथ सुरक्षित आवास भी होगा। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता प्रो. हेमन्त दाधीच, निदेशक प्रसार शिक्षा प्रो. राजेश कुमार धूडिया, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रवीण बिश्नोई, निदेशक पी.एम.ई. प्रो. राहुल सिंह पाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुनीता पारीक और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व इन्चार्ज एवं फैकल्टी सदस्य मौजूद रहे।

जैन गर्ल्स कॉलेज में गरबा की धूम

बीकानेर, (कासं)। नवरात्रा के अवसर पर आज कॉलेज में छात्राओं के लिए गरबा डांडिया नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने प्रतिभागी के रूप में नृत्य की प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को प्राचार्य डा. संध्या सक्सेना ने पुरस्कृत कर सांस्कृतिक उत्सव में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। बेस्ट डांसर पूजा मूंधड़ा, बेस्ट ड्रेस रीवा सोनी और मिताली सोनी, बेस्ट कपल प्रांजल सोनी और रितिका सोनी को प्राचार्य ने पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर सभी संकाय सदस्यों ने भी गरबा नृत्य का आनंद लिया।

रामलीला में सीता का हुआ हरण

झुंझुनूं ।गांधी चौक रामलीला मैदान में पंचवटी पर लंकापति रावण की बहन सुर्पनका का राम के भाई लक्ष्मण ने नाक काटा। नाक कटते ही चिल्लाते हुए खर, दूषण और तिरस्त्रा के पास गई। तीनों भाई बहन के साथ पंचवटी जाते हैं और राम को युद्ध के लिए ललकारते हैं। लक्ष्मण माता सीता को लेकर पहाड़ों में चले जाते हैं। राम युद्ध करते हुए उनका संघार कर देता है। परेशान सुर्पनका सहायता के लिए अब रावण के पास जाती हैं। चेहरा देखते ही रावण आग बबूला होकर पूछता है बतला बहने सुर्पनका यह कैसा घोर घमासान हुआ। तब वो राम सीता और लक्ष्मण की बात बताती है। इतना सुनते ही रावण मामा मारीच के पास जाकर सीता हरण के लिए उसे माया मृग बनने का हुकुम देता। रावण साधु के भेष में सीता का हरण करता है। उधर राम और लक्ष्मण को इसका गहरा आघात लगता है। दोनों भाई पंचवटी से सीता की खोज में निकल पड़ते हैं। लिया में प्रमोद खंडेलिया, श्रीकांत पंसारी, दिनेश शर्मा, गौरीशंकर कुमावत, प्रकाश शर्मा, गौरीशंकर खडोलिया, मुकेश व्यास, संजय सैनी आदि उपस्थित रहे।

कॉल सेंटर 1962 का लोकार्पण

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी । भारत सरकार की केंद्र प्रवर्तित योजना के तहत प्रदेश में 536 मोबाइल वेटेरनरी युनिट से पशुपालकों को उनके घर पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी।यह जानकारी देते हुए पशुपालन विभाग लक्षमनगढ के उपनिदेशक डॉ मोहन भोगे ने बताया कि कॉल सेंटर का हेल्प लाइन नंबर 1962 है जिस पर फोन कर पशुपालक इस सेवा का लाभ ले सकेगा। उन्होंने बताया कि पशु बिमार होने पर कॉल सेंटर हेल्पलाइन नंबर 1962 पर सूचना दर्ज करानी पड़ेगी । कॉल सेंटर के द्वारा पशुपालक का नाम, गांव ,पशु एवं रोग के लक्षण आदि की जानकारी प्राप्त कर सिस्टम पर दर्ज होगी तथा लक्षणों के आधार पर सिस्टम में पूर्व से संधारित डाटा अनुसार एवं कॉल सेंटर पर उपस्थित पशु-चिकित्सक की सलाह अनुसार टीप्स जनरेट किया जाएगा। इसके बाद पशुपालक के फोन पर एक मेसेज जाएगा तथा एक मेसेज संबंधित गांव की मोबाइल वेटेरनरी यूनिट के पशु चिकित्सक के फोन पर जाएगा। साथ ही इससे संबंधित विवरण पशु चिकित्सक के पास उपलब्ध मोबाइल एप्लीकेशन पर भी प्रदर्शित होगा। मोबाइल वेटेरनरी यूनिट पर उपलब्ध जीपीएस तथा मोबाइल पर उपलब्ध एप्लीकेशन की ट्रेनिंग काल सेंटर पर द्वारा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पशु-चिकित्सक यथोचित उपचार कर एप्लीकेशन पर दर्ज करेगा।कहां हो राम रघुराई, करे अब कौन सुनवाई...ये पापी हर ले चला है..

गुजराती गानों पर किया नृत्य

राजलदेसर, (निसं.)। कस्बे में बालाजी सेवा समिति एवं उतरादा बास वार्ड नं 12 के मोहल्ले वासियों के सहयोग से रेलवे फाटक के पास नवरात्रि के पावन पर्व पर तीसरी बार दुर्गा पूजा महोत्सव के साथ 4 दिवसीय डांडिया महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यहां कस्बे की महिलाओं व युवतियों के द्वारा शानदार राजस्थानी वेश भूषा में सज धजकर गुजराती व अन्य गानों पर समूह के साथ डांडिया गरबा के साथ नृत्य किया व मातारानी को रिझाया। विशेष कर युवतियों में डांडिया गरबा को लेकर काफी उत्साह नज़र आ रहा है। इस अवसर पर समिति के सदस्य गण उपस्थित रहे।

जागरुकता वाहन को दिखाई हरी झंडी

झुंझुनूं। सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी ने बुधवार को डेंगू के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के लिए सीएमएचओ ऑफिस से दो जागरुकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी ने बताया कि ये वाहन चार दिन तक शहर के सभी क्षेत्रों में माईकिंग कर पेंपलेट वितरित कर डेंगू के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि विभाग विभिन्न माध्यमों से आमजन को इस बात के लिए जागरूक करने का प्रयास कर रहा है कि आपके घरों में आपकी जरा लापरवाही से पनपने वाले मच्छर आपको कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने बताया कि विभाग की टीम को सपोर्ट करें। उनके बताए अनुसार पानी की टंकी, कूलर, फ्रीज की ट्रे, गमले आदि को नियमित साफ करें। ताकि मच्छर पैदा करने वाला लार्वा आपके घर में नहीं पनपे। उन्होंने बताया कि 60 टीम भी सभी 60 वार्डों के घरों में क्रॉस विजिट कर रही है और एंटी लार्वा गतिविधियां संचालित कर रही है।

बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ कार्यशाला

बीकानेर, (कासं)। महिला अधिकारिता तथा महिला एवं बाल विकास परियोजना द्वारा बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह के तहत बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ अभियान कार्यशाला का पांचू में आयोजन किया गया। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन, आशा का विभागीय गतिविधियों, योजनाओं और अधिनियमों पर आमुखीकरण और द्विपक्षीय वार्ता की गई। इस अवसर पर विकास अधिकारी जसवंत विश्नोई ने बाल विवाह रोकथाम पर जानकारी दी। सहायक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र ने शिक्षा विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. विकास ने भी कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के साथ लाडो और मुखबिर योजना के बारे में बताया।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को पत्र लिखकर खेल से संन्यास लेने के उनके फैसले पर हैरानी जताई।
– दीपा कर्माकर

खेलमंत्री मनसुख मांडविया, दीपा कर्माकर के खेल को अलविदा कहने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▸ ईशान किशन

भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन की झारखंड रणजी टीम में कप्तान के रूप में वापसी हुई जिन्हें पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। दिसंबर 2022 में ऋषभ पंत की सड़क दुर्घटना के बाद भारत की सफेद गेंद वाली टीम में नियमित रूप से शामिल हुए ईशान ने पिछले साल भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद उन्होंने बीसीसीआई के किसी भी आधिकारिक मैच में हिस्सा नहीं लिया जबकि बोर्ड ने खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने पर जोर दिया था।

क्या आप जानते हैं ?... 19वीं सदी तक बॉक्सिंग को हिंसक खेल माना जाता था और इस पेशेवर खेल से प्रतिबंध 1901 में हटा।

एशियाई टेटे चैम्पियनशिप : भारतीय पुरुष टीम ने लगातार तीसरा पदक सुनिश्चित किया, महिला टीम को कांस्य

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने बुधवार को क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान को 3-1 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार तीसरा पदक पक्का कर लिया। पुरुषों की टीम स्पर्धा में पदक तब सुनिश्चित हुआ जब महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से हार गई और उसे पहली बार कांस्य पदक मिला।

पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में विश्व के 60वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने कजाखस्तान के शीर्ष रैंकिंग के विश्व के 41वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमेंको को 3-0 (11-9, 11-7, 11-6) से हराकर उलटफेर किया। कजाखस्तान के एलन कुरमंगलियेव (विश्व रैंकिंग 183) ने अपनी टीम को वापसी दिलाते हुए हरमीत देसाई को 3-0 (11-6, 11-5, 11-8) से हराया और मैच को 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी अनुभवी शरत कमल ने तीसरे मैच में ऐडोस केंजिगुलोव को 3-0 (11-4, 11-7, 12-10) से आसानी से हराया और भारत की बढ़त 2-1 हो गई। हरमीत ने चौथे मैच में गेरासिमेंको को हराकर भारत की जीत तय की। अस्थिर शुरुआत के बाद विश्व के 91वें नंबर के खिलाड़ी हरमीत ने अपने पैर जमाए। उन्होंने दूसरे और चौथे गेम जीतने के बाद पांचवें गेम में 6-1 की बढ़त बनाई।

गेरासिमेंको ने वापसी की कोशिश की लेकिन हरमीत ने पांचवां और निर्णायक गेम जीतकर भारत को सेमीफाइनल में जगह दिलाई। भारत की पुरुष टीम ने 2023 और 2021 में पिछले दो सत्र में कांस्य पदक जीता था। भारत ने इस जीत के साथ एशियाई चैंपियनशिप में अपना सातवां पदक सुनिश्चित किया। भारत गुरुवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे और जापान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से खेलेगा।इससे पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने यहां कांस्य पदक जीता जो इस स्पर्धा में उनका पहला पदक है।

भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जापान ने 3-1 से हराया था। भारत की अयहिका मुखर्जी ने जापान की मिवा हरीमोतो को कड़ी टक्कर दी लेकिन 8-11, 11-9, 8-11, 13-11, 7-11 से हार गई। वहीं मनिका बत्रा ने सत्सुकी ओडो को दूसरे मैच में 11-6, 11-5, 11-8 से हराया। अगले मैच में सुतीर्था मुखर्जी के खिलाफ जापान की मिमा इतो ने 11-9, 11-4, 15-13 से जीत दर्ज की। दी। मिमा ने इसके बाद मनिका को 11-6, 6-11, 11-2, 11-3 से हराकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

बुमराह को पछाड़ सकते हैं ये दो खिलाड़ी

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत-बांग्लादेश के बीच दूसरा टी20 मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को खेला जाएगा। ग्वालियर में पहला मैच जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। हालांकि, अरुण जेटली स्टेडियम में उसे 7 साल से जीत का इंतजार है। बांग्लादेश ने भारत के केवल एक टी20 में हराया है। उसे जीत दिल्ली में ही मिली थी। इस जीत को भले ही 5 साल हो गया हो, लेकिन नजमुल हसन शंतो की टीम वापसी करना चाहेगी।ग्वालियर में भारत के लिए अर्शदीप सिंह का प्रदर्शन अच्छा रहा था। उन्होंने 3 विकेट लिए थे। हार्दिक पंड्या ने गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। 16 गेंद पर 39 रन ठोके थे और 1 विकेट लिया था। अर्शदीप और हार्दिक के पास टी20 में भारत के लिए सबसे ज्याद विकेट लेने के मामले में जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ने का मौका है। हार्दिक पंड्या के 87 विकेट हैं। वहीं, अर्शदीप के 86 विकेट हैं।

भारत ने 86 रन से जीता दूसरा टी-20

नीतीश रेड्डी ने 74 रन बनाए और 2 विकेट भी लिये, बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से भारत आगे

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत ने नई दिल्ली में बांग्लादेश को 86 रन से दूसरा टी-20 हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। भारत ने 9 विकेट खोकर 221 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 135 रन ही बना सका। भारत से नीतीश रेड्डी ने 34 गेंद पर 74 रन बनाए, उन्होंने फिर बॉलिंग से 2 विकेट भी लिए।

रेड्डी को ही प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। वरुण चक्रवर्ती ने भी 2 विकेट लिए। बांग्लादेश से महमूदुल्लाह ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। दूसरा मुकाबला जीतकर भारत ने 3 टी-20 की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा मुकाबला 12 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा।

221 रन के टारगेट के सामने बांग्लादेश 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 135 रन ही बना सका। टीम से महमूदुल्लाह ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। परवेज हसन इमोन ने 16, मेहदी हसन मिराज ने 16, लिटन दास ने 14 और नजमुल हुसैन शांतो ने 11 रन बनाए। बाकी बैटर्स 10 रन से ज्यादा का आंकड़ा भी नहीं छू सके। भारत से नीतीश रेड्डी और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट लिए। जबकि मयंक यादव, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

आईसीसी की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में अर्शदीप सिंह ने पहली बार टॉप-10 में जगह बनाई

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाते हुए आठवें पायदान पर पहुंच गए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पिछले रविवार को ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। वह 642 रेटिंग अंकों के साथ आठ पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वह शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद सबसे छोटे प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, ''ताजा रैंकिंग अपडेट में अर्शदीप को भी काफी फायदा हुआ है, बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने टी20 गेंदबाजों की अपडेट की गई सूची में आठ पायदान की छलांग लगाई है और बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है।'' बांग्लादेश के खिलाफ 16 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन की पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या बल्लेबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए।

इस शीर्ष भारतीय ऑलराउंडर ने 26 रन देकर एक विकेट भी चटकाया और ऑलराउंडरों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी दूसरे स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर आ गए। उन्हें पाकिस्तान के बाबर आजम ने पीछे छोड़ दिया।

जायसवाल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। वाशिंगटन सुंदर ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह टी20 गेंदबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

महिला टी-20 विश्वकप : द. अफ्रीका ने स्कॉटलैंड को 80 रनों से हराया

दुबई, 9 अक्टूबर। मैरीजान कप्प (43), तेज़मिन ब्रिट्स (43) और लॉरा वुलफार्ट (40) रनों की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने हुए बुधवार को महिला टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 80 रनों से हरा दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दी। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 27 गेंदों में पांच चौकों एवं एक छक्के की मदद से (40) रन बनाए जबकि तेजमिन ब्रिटस ने 35 गेंदों का सामना कर पांच चौकों एवं एक छक्के की मदद से (43) रनों का योगदान दिया। वुलफार्ट को फ्रेजर ने बेल के हाथों कैच आउट कराया जबकि ब्रिटस को बेल ने ब्राइस के हाथों कैच आउट कराया।

इसके बाद मैरीजान कप्प ने 24 गेंदों में धुंआधार बल्लेबाजी करते हुए (43) रन बना दिए। काप ने इस दौरान छह चौके लगाए। काप को ब्राइस ने कार्टर के हाथों कैच आउट कराया। सुने लूस ने मैच के अंतिम क्षणों में 13 गेंदों का सामना करते हुए दो चौकों की मदद से (नाबाद 18) रन बनाए। उनके साथ अनरी डर्कसन एक रन बनाकर नाबाद रही।

स्कॉटलैंड की ओर से स्लेटर, ब्राइस, बेल, फ्रेजर एवं कार्टर ने एक-एक विकेट लिया। इसके जवाब में बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरी स्कॉटलैंड टीम शुरु से ही दबाव में रही। अभी टीम का स्कोर 14 रन पहुंचा था कि खाका ने सलामी बल्लेबाज सस्किया हॉली (छह) को ब्रिटस के हाथों कैच आउट कराकर स्कॉटलैंड को पहला झटका दे दिया। दो रन बाद ही ट्राइऑन ने सेरा ब्राइस (05) को अपनी ही गेंद पर खुद ने कैच लेकर वापस पैवेलियन भेज दिया। इसके बाद नियमित अंतराल पर स्कॉटलैंड के विकेट गिरते गए। स्कॉटलैंड की ओर से केवल दो बल्लेबाज एयलसा लिस्टर (12) एवं कैथरीन फ्रेजर (14) दहाई संख्या में पहुंच सके। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए स्कॉटलैंड की पूरी टीम 17.5 ओवर में 86 पर समेट कर 80 रनों से मुकाबला जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से नोनकुललेको ग्लाबा ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए जबककि क्लोई ट्राइऑन, नडीन डी क्लर्क ने दो-दो तथा अयाबोंगा खाका, सुने लूस एवं अनरी डर्कसन ने एक एक विकेट लिया।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने श्रीलंका को 82 रन से हराया

दुबई, 9 अक्टूबर। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में बुधवार को श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। टीम इंडिया ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला लिया। भारत ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 172 रन बनाए और श्रीलंका को 173 रन का टारगेट दिया। जवाब में श्रीलंका की टीम 19.5 ओवर में 90 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत का 98 रन पर पहला विकेट गिरा। स्मृति मंधाना को कंचना और अट्टापट्टू ने रन आउट किया। वह 38 गेंदों में 50 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटीं। भारत की ओपनर शेफाली वर्मा भी आउट हो गई है। उन्हें चामरी अट्टापट्टू ने गुणारत्ने के हाथों कैच कराया। वह 40 गेंदों में 43 रन बनाकर आउट हुईं। 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर उदेशिका प्रबोधनी ने अमा कंचना के हाथों कैच करा कर जेमिमा रोड्रिग्ज को पवेलियन भेजा।

स्टर्नहेगन भावनगर पोलो ट्रॉफी : वी पोलो और आरपीसी/कैवेलरी के बीच मैच आज

जयपुर, 9 अक्टूबर। स्टर्नहेगन भावनगर पोलो ट्रॉफी (08 गोल) टूर्नामेंट में रामबाग पोलो मैदान पर वी पोलो ओर आरपीसी/कैवेलरी के बीच शाम4.30 बजे मैच खेला जाएगा। वी पोलो टीम की ओर से निमित मेहता, गौरव सहगल, अंगद कलान, गेरार्डो माज़िनी खेलेंगे वहीं आरपीसी/कैवेलरी में कैप्टन एआरएस वाररिच, लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान, रणशेय पुरोहित, गोंज़ालो यनज़ोन खेलेंगे।

डीपीएल में वाटिका की धमाकेदार जीत

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। डीएसए प्रीमियर लीग में बुधवार को पहली लीग की विजेता वाटिका एफसी ने पिछड़ने के बाद फ्रेंड्स यूनाइटेड को छकाते हुए 2-1 की रोमांचक जीत दर्ज की। आज यहां अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गये इस मैच में विजेता वाटिका एफसी के लिए कुशाग्र कक्कड़ और अभिषेक बाक्सला ने दमदार गोल जमाए। वहीं दिन के पहले मुकाबले में सीआईएसएफ ने सुदेवा एफसी को गोल शून्य बराबरी पर रोक कर अंक बांटे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए इस दिन ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी टीम इंडिया

14 अक्टूबर के बाद भारत-ए टीम का चयन

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। नवंबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होगा। इस ट्रॉफी में दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैच खेले जाएंगे जो की 22 नवंबर से शुरू होंगे। खबर के मुताबिक, भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए कम से कम दो सप्ताह पहले यानी नवंबर के पहले हफ्ते में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। दरअसल, रोहित शर्मा ब्रिगेड अपनी ए टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ एक या दो इंट्रा स्क्वॉड अभ्यास मैच खेलेगी।बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर टेस्ट सीरीज खेलनी है। जिसके बाद भारतीय टेस्ट टीम मुंबई से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत ए टीम का चयन रणजी ट्रॉफी के पहले दौर के बाद होगा। बीसीसीआई की चयन समिति अगले सप्ताह भारत की अंडर-25 टीम का भी चनय करेगी। इंडिया अंडर-25 टीम मस्कट में खेले जाने वाले एमर्जिंग एशिया कप में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड साउथ अफ्रीका के पिछले दौरे की तरह ऑस्ट्रेलिया में भी भारत और भारत ए के बीच चार दिवसीय मैच का आयोजन कर सकता है।

अंडर-19 टीम : भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पारी, 120 रन से हराया और सीरीज भी जीती

चेन्नई, 9 अक्टूबर। अनमोलजीत सिंह (नौ विकेट) और मोहम्मद एनान (सात विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत की अंडर-19 टीम ने चार दिवसीय दूसरे टेस्ट मैच में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 277 पर समेटने के बाद उसे दूसरी पारी में 95 रन पर ढ़ेर कर मुकाबला पारी और 120 से जीत लिया है। इसी के भारत ने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 2-0 से जीत ली है। मैच में शानदार गेंदबाजी नौ विकेट लेने वाले अनमोलजीत सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। भारत की घातक गेंदबाजी का आलम यह था कि बुधवार को दिन ऑस्ट्रेलिया के रिकार्ड 17 विकेट गिरे।

ऑस्ट्रेलिया ने कल के तीन विकेट पर 142 रन से आगे खेलना शुरु किया। ऑस्ट्रेलिया का चौथा विकेट पर 208 के स्कोर पर ली यंग (66) के रूप में गिरा। यंग को अनमोलजीत ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद क्रिश्चियन होवे (4) पर रनआउट हो गये। ऐडन ओकॉनर (18) को समर्थ नागराज ने अपना शिकार बनाया। इस दौरान कप्तान ऑलिवर पिक ने अपना शतक पूरा किया । ऑलिवर को अनमोलजीत ने बोल्ड आउट किया।

पाकिस्तान में 69 साल बाद विदेशी खिलाड़ी ने किया कमाल, हैरी ब्रूक ने जड़ा शतक का चौका

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। मुल्तान में खेला जा रहा पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट पाकिस्तान के हाथ से निकलता हुआ दिख रहा है। बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने पाकिस्तानी गेंदबाजों को दिन में तारे दिखा दिए हैं। वहीं पहले टेस्ट मैच में हैरी ब्रूक ने शतकीय पारी से रिकॉर्ड्स की लाइन लगा दी है। ब्रूक ने न सिर्फ शतक लगाया बल्कि वह कारनामा कर दिखाया जो कि पिछले 69 सालों में किसी ने नहीं किया।

हैरी ब्रूक ने मुल्तान टेस्ट के तीसरे दिन शतक जड़ा। तीसरे दिन स्टंप्स तक उन्होंने 173 गेंदों में 141 रन बनाए थे। ये हैरी ब्रूक का पाकिस्तान लगातार चौथे टेस्ट में शतक जमाया था। उन्होंने इससे पहले साल 2022 में कराची और मुल्तान में शतक ठोका था। हैरी ब्रूक का ये 6 पारियों में चौथा शतक है। वह पाकिस्तान के खिलाफ उसकी जमीन पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी है। वहीं पाकिस्तान के 69 साल के टेस्ट क्रिकेट में पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार चार शतक जमाए हैं। 50वें ओवर में बेन डकेट ने 84 रन बनाकर अपना विकेट गंवाया था। उनके बाद ब्रूक बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरे और आते ही उन्होंने स्कोरबोर्ड को तेजी से आगे बढ़ाना शुरू कर दिया था।

जो रूट ने जड़ा 35वां टेस्ट शतक, गावस्कर-लारा समेत चार खिलाड़ी को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीचमुल्तान में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस टेस्ट में खूब रन बन रहे हैं, जहां पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए वहीं अब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने रन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस बीच इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट का बल्ला पाकिस्तान में भी खूब बोल रहा है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 35वां शतक जड़ा है और अब वह टेस्ट क्रिकेट में छटे सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ बुधवार को बेहतरीन पारी खेलकर इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर और ब्रायन लारा समेत 4 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है।

स्टेट स्नूकर में अमित जैन, दीपक करवा, शंटी सेमीफाइनल में

जयपुर, 9 अक्टूबर। मुरारी श्री मुरारी मेघानी स्मृति स्टेट स्नूकर चैंपियनशिप में आज अमित जैन, दीपक करवा, शंटी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया वही अजमेर केआविश कामरान ने प्री क्वार्टर फाइनल में सौरव जोहरी को 69-0 8, 23-55,66-20 ,66-11 के संघर्षपूर्ण मैच में, हरा क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया वहीं धीरज नाचनी ने मोहम्मद यूसुफ को 51-45, 70-20, 45 -56 72-48 से हराया दीपक करवा ने प्री क्वार्टर फाइनल में निपुण तोमर को 71- 56, 87-18, 85- 50 से हराया। आयोजन सचिव कुणाल मनचंदा के अनुसार आज खेले गए क्वार्टर फाइनल में शंटी ने डॉक्टर धीरज को अमित जैन ने आदित्य गोयंका को और दीपक करवा ने धीरज नाचनी को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल पाक में नहीं दुबई में होगा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होना है। भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले ही साफ-साफ इनकार कर दिया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट खेले जाने को लेकर मांग की है। वहीं इस बीच टेलीग्राफ यूके की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान से बाहर कराए जा सकते हैं। अगर भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई तो इसे भी बाहर ही कराया जाएगा। दरअसल, पाकिस्तान में अगले साल आयोजित होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर चर्चा काफी तेजी से हो रही है।

शिक्षा जैन का शानदार प्रदर्शन, यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर 2024 में किया अंडर-2 स्कोर का कमाल, गोल्ड मेडल अपने नाम किया

जयपुर, 9 अक्टूबर। यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर 2024 के तीसरे मैच में उभरती हुई गोल्फ स्टार शिक्षा जैन ने शानदार खेल दिखाते हुए अंडर-2 स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीत लिया। यह मैच एशिया के बेहतरीन गोल्फ कोर्सों में से एक, आईटीसी गोल्फ कोर्स में हुआ, जहाँ शिक्षा ने 6 बर्डी और 1 ईगल मारते हुए अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया और अपने नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज कर ली। यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर युवा गोल्फर्स के लिए एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है, जिसमें देश भर से युवा प्रतिभाएं अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। शिक्षा जैन, जो पहले से ही गोल्फ जगत की उभरती हुई खिलाड़ी मानी जाती हैं, ने आज अपने जबरदस्त खेल से सभी की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए बेहतरीन स्कोर किया। उनकी रणनीतिक खेल की सोच, मानसिक मजबूती, और सटीकता ने उन्हें बाकी खिलाड़ियों से आगे कर दिया।

उपविजेता कृति पारेख ने भी शानदार खेलते हुए 1 ओवर स्कोर किया, लेकिन शिक्षा जैन ने अपने अंडर-2 स्कोर और गोल्ड मेडल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। आईटीसी गोल्फ कोर्स, जो अपने चुनौतीपूर्ण लेआउट के लिए जाना जाता है, में शिक्षा की इस उपलब्धि ने साबित कर दिया कि वह न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी कितनी मजबूत और तैयार हैं। शिक्षा जैन की इस अद्भुत जीत ने गोल्फ प्रेमियों में उत्साह भर दिया है और यह दर्शाता है कि वह भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

आज का उनका प्रदर्शन न केवल उनकी प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि वह गोल्फ जगत में अपने आप को स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर 2024 के बाकी मैचों में सभी की निगाहें अब शिक्षा पर होंगी, यह देखने के लिए कि वह अपनी इस शानदार फॉर्म को कैसे बनाए रखती हैं। शिक्षा जैन की इस उपलब्धि ने उन्हें युवा गोल्फरों में एक प्रेरणा के रूप में स्थापित किया है, और उनके इस गोल्ड मेडल जीतने से यह स्पष्ट है कि वह भारतीय गोल्फ की भविष्य की चमकती सितारा बन चुकी हैं।

राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय महिला प्रतियोगिता में दो मैच आज

जयपुर, 9 अक्टूबर। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में जारी 29 वी राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय सीनियर महिला फुटबॉल चैंपियनशिप में मंगलवार को दो मैच खेले जाएंगे, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की सुबह आठ बजे होने वाले मैच में पंजाब का मुकाबला छतीसगढ़ से तथा दोपहर को साढ़े तीन बजे मेजबान राजस्थान का मुकाबला उत्तराखंड से होगा। राजस्थान फुटबॉल संघ महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टाक ने बताया की ये दोनों ग्रुप डी के अंतिम मैच है। रविवार से शुरू हुए टूर्नामेंट का उद्घाटन प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा युवा मामले एवं खेल विभाग सचिव नीरज के पवन ने किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को डूंगरपुर में चौरासी व सलुम्बर उपचुनावों के संदर्भ में भाजपा कार्यकर्त्ताओं की बैठक ली तथा जिले में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की। डूंगरपुर पहुँचने पर पुलिस लाइन हैलीपैड पर उनका स्वागत किया गया व गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

जिन्होंने युवाओं को आँसू देने का काम किया है उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा: भजनलाल शर्मा

डूंगरपुर में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश विरोधी बात करने वाले को नहीं बख्शा जायेगा

■ **मुख्यमंत्री ने उदयपुर संभाग की आदिवासी बैल्ट, चौरासी व सलुम्बर में होने वाले विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की जीत के बारे में पार्टी कार्यकर्त्ताओं से फीडबैक लिया।**

डूंगरपुर, 9 अक्टूबर (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान, चौरासी व सलूम्बर विधान सभा क्षेत्र के आगामी उप चुनावों को लेकर मण्डल स्तरीय कार्यकर्ताओं की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा, इन दोनों उप चुनावों में पार्टी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग के साथ काम करते हुए जीत सुनिश्चित करें, ताकि क्षेत्र की जनता को विकास के मूलमंत्र के साथ जोड़ा जा सके।

गुरुकुल पी.जी. कॉलेज में आयोजित इस बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि केन्द्र व राज्य में सत्ता हमारी होने के कारण कार्यकर्ताओं की भावनाओं का पूरा ख्याल रखा जायेगा। साथ ही, उन्होंने चेतावनी भी दी कि देश विरोधी बात करने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जायेगा और ऐसे तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने राज्य के युवाओं को आंसू देने का काम किया है, उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा, युवा अपने भविष्य के प्रति निराश न हों। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ें एवं आगामी उप चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चि करें, ताकि विकास यात्रा को अनवरत गति से जारी रखा जा सके। इस दौरान, दोनों विधानसभा क्षेत्रों के मण्डल कार्यकर्ताओं के साथ वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने समस्याएं सुनीं तथा हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बुधवार दोपहर को डूंगरपुर के दौरे पर पुलिस लाइन हेलीपेड पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद बोरी में गुरुकुल कॉलेज में चौरासी और सलूंबर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री ने बंद कमरे में मंत्रणा की तथा कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। इस यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी थे। पुलिस लाइन हेलीपेड पर राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, जिलाध्यक्ष हरीश पाटीदार, पूर्व मंत्री सुशील कटारा, सागवाड़ा विधायक शंकर डेचा सहित भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। गुरुकुल कॉलेज में श्रीचंद कृपलानी एवं पूर्व राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह समेत कई नेताओं ने उपरणा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद, मुख्यमंत्री भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल हुए। कॉलेज परिसर के हॉल में डूंगरपुर के चौरासी और सलूंबर विधानसभा के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विस्तारक मौजूद थे।

बॉर्डर पर 2,280 किलोमीटर सड़क बनेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में 2,280 किलोमीटर सड़क बनाने की मंजूरी दे दी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए यह मंजूरी दी गई है। इस पर 4,406 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

■ **केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 4,406 करोड़ रू. की लागत के इस प्रोजैक्ट को मंजूरी दी गई। इसमें राजस्थान और पंजाब के बॉर्डर पर सड़क बनाई जाएगी।**

यह प्रोजैक्ट सोच में आए बदलाव का नतीजा है, जिसके तहत देश के अन्य भागों की तरह सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास किए जाने को भी महत्व दिया जा रहा है।

इस निर्णय से इन क्षेत्रों में सड़क व दूरसंचार कनैक्टिविटी बढ़ेगी और जल आपूर्ति, स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में विकास होगा, ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधरेगा, यात्रा की सुविधा होगी।

पैंथर ने सायरा के पास दो बछड़ों का शिकार किया

वन विभाग ने पैंथर की तलाश के लिए लाइव स्ट्रीमिंग सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये

■ **गोगुंदा से 25 किलोमीटर दूर सायरा के परराडा गाँव के पेट्रोल पम्प के पास सोमवार रात 11:30 बजे पैंथर नज़र आया था।**

■ **एमरजैंसी रैस्पाँस टीम को मंगलवार की रात जंगल में पैंथर के "पग मार्क" मिले।**

उदयपुर, 9 अक्टूबर (कासं)। जिले की गोगुंदा तहसील में पैंथर अब तक वन विभाग के जाल में नहीं फंसा है, वो टीम को छका रहा है और थका भी रहा है। टीम को पैंथर के पगमार्क मिले है और जंगल में अब सी.सी.टी.वी. कैमरे भी लगाये जा रहे हैं। गोगुंदा से करीब 45 किमी दूर सायरा में भी पैंथर के मूवमेंट की जानकारी मिली है।

आदमखोर पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग ने जंगल में लाइव स्ट्रीमिंग करने वाले सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाए हैं। इससे पहले ट्रेप कैमरे लगवाए गए थे लेकिन उनका डेटा अगले दिन प्राप्त होने के कारण एक्शन लेने में देर हो रही थी। अब सी.सी.टी.वी. कंट्रोल एक्सेस से तुरंत पता चल जाएगा कि पैंथर का मूवमेंट शूटर वाली टीम के आस पास हो रहा है या नहीं।

पैंथर ने मंगलवार रात सायरा थाना क्षेत्र के पदराडा गांव में पूर्व सरपंच हरिसिंह राणावत के घर के परिसर में बंधे दो बछड़ों का शिकार किया। बुधवार सुबह जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए और वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 10 दिन से पदराडा गांव के आसपास पैंथर का मूवमेंट बढ़ा है। इससे पहले पैंथर एक गाय का शिकार कर चुका है।

पदराडा के पेट्रोल पंप के समीप भी पैंथर के विचरण की जानकारी मिली है। सुआवतो का गुडा गांव के बंशीलाल मेघवाल ने बताया कि सोमवार रात करीब 11.30 बजे पदराडा के पेट्रोल पंप के पास पैंथर देखा था। मंगलवार दोपहर को सड़क किनारे एक गाय मृत मिली थी। उनका अंदेशा है कि पैंथर ने ही गाय को मारा है। गोगुंदा में पैंथर की तलाश के लिए वन विभाग की टीम बडगांव पंचायत समिति के राठौडों का गुडा और पड़ोसी गांव गोगुंदा के केलवों का खेडा में तैनात है। जयपुर से आई एमरजैंसी रैस्पाँस टीम (ई.आर.टी.) के दल ने बुधवार को भी जंगल को खंगाला। टीम को मंगलवार रात जंगल में पैंथर के पगमार्क मिले थे। पगमार्क के आधार पर पता चला कि पैंथर आगे की तरफ बढ़ता गया है। वन अधिकारियों का मानना है कि पगमार्क से पैंथर के यहीं पर होने का अंदेशा है। दल में अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एडिशनल पी.सी.सी.एफ.) वाइल्ड लाइफ, राजेश गुप्ता, रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप के.आर. और केवलादेव नेशनल पार्क के डी.एफ.ओ. मानस सिंह ने स्थानीय अधिकारियों और ग्रामीणों से भी फीडबैक लिया है।

वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि सी.सी.टी.वी. कैमरे सोलर ऊर्जा से चलने वाले हैं और इनका एक्सेस एक टीम और कुछ अधिकारियों को दिया गया है। इनसे लगातार निगरानी की जाएगी। उसके बाद जैसे ही पैंथर दिखेगा, तो उसे ट्रेंक्यूलाइज या शूट करने के लिए वहां तैनात टीम को अलर्ट कर दिया जाएगा।

दिवराला सती महिमा मंडन प्रकरण में 8 आरोपी बरी

■ **विशेष अदालत ने वर्ष 1989 में हुई इस घटना के महिमा मंडन के मामले में आठ आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।**

जयपुर, 9 अक्टूबर। सती निवारण मामलों की विशेष अदालत ने सीकर के दिवराला में वर्ष 1987 में हुए रूप कंवर सती कांड के बाद घटना के महिमामंडन के मामले में आठ आरोपियों, महेन्द्र सिंह, दशरथ सिंह, श्रवण सिंह, निहाल सिंह, जितेन्द्र सिंह, उदय सिंह, लक्ष्मण सिंह और भंवर सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों पर लगाए गए आरोप को साबित नहीं कर पाया है। ऐसे में उन्हें संदेह का लाभ देना उचित होगा। मामले में वर्ष 2004 में अदालत प्रताप सिंह, राजेन्द्र सिंह राठौड़ और रूप कंवर के भाई गोपाल सिंह राठौड़ सहित 25 लोगों को बरी कर चुकी है, जबकि मूल घटना के बाद गिरफ्तार किए गए 32 लोगों को सीकर की कोर्ट अक्टूबर, 1996 में बरी कर चुकी है।

मामले के अनुसार, जयपुर निवासी रूप कंवर का विवाह दिवराला के मालसिंह के साथ हुआ था। विवाह के करीब सात माह बाद ही मालसिंह की बीमारी से मौत हो गई थी। चार सितंबर, 1987 को 18 वर्षीय रूप कंवर की, अपने पति मालसिंह की चिता के साथ जलकर मौत हो गई थी। इसके बाद 22 सितंबर, 1988 को समाज के लोगों ने दिवराला से अजीतगढ़ तक जुलूस निकाला, लेकिन बारिश के कारण जुलूस ज्यादा आगे नहीं चल पाया। रात करीब आठ बजे 45 लोगों ने ट्रक में बैठकर जुलूस को फिर से शुरू किया। इसके चलते, पुलिस ने इन 45 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के महज चार दिन बाद ही, पुलिस ने 26 सितंबर को इनके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। लंबी सुनवाई के बाद, अदालत ने इनमें से 25 लोगों को साल 2004 में बरी कर दिया था। मामले में 11 सितंबर, 2019 को आरोपी लक्ष्मण सिंह ने अदालत में समर्पण किया था। इन 45 लोगों में से करीब आधा दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है और इतने ही फरार चल रहे हैं।

तीन वैज्ञानिकों को कैमिस्ट्री का नोबल

स्टॉकहोम, 9 अक्टूबर। साल 2024 के रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार के विजेताओं का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साईन्सेज़ ने बुधवार को बताया है कि रसायन विज्ञान में 2024 का प्रोटीन पर रिसर्च के लिए पुरस्कार डेविड बेकर, डैमीस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को देने का फैसला लिया है। डेविड बेकर को "कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन" के लिए के लिए पुरस्कार मिला है। डैमीस हसाबिस और जॉन जम्पर को "प्रोटीन स्ट्रक्चर प्रैडिक्शन" (प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी) के लिए चुना गया है।

रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साईन्सेज़ के महासचिव हैंस एलेठोन ने बताया है कि इस साल का रसायन विज्ञान का नोबल दो हिस्सों में दिया जा रहा है। एक हिस्से में डेविड बेकर हैं और दूसरे आधे हिस्से में संयुक्त रूप से डैमीस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर हैं। डेविड बेकर सिएटल में यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में काम करते हैं तथा डैमीस हसाबिस और जॉन जम्पर लंदन में गूगल डीपमाइंड में काम करते हैं।

■ **प्रोटीन पर रिसर्च के लिए दिए गए इस अवॉर्ड में आधी पुरुस्कार राशि डेविड बेकर को नये प्रोटीन के निर्माण के लिए तथा आधी राशि डैसीस हसाबिस और जॉन जम्पर को प्रोटीन की जटिल संरचनाओं की भविष्यवाणी के लिए दिया गया है।**

बेकर ने पूरी तरह से नए प्रकार के प्रोटीन के निर्माण की लगभग असंभव उपलब्धि हासिल की है। वहीं, हसाबिस और जम्पर ने प्रोटीन की जटिल संरचनाओं की भविष्यवाणी करने की 50 साल पुरानी समस्या को हल करने के लिए एक ए.आई. मॉडल तैयार किया है। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ने कहा है कि बेकर के रिसर्च ग्रुप ने कई प्रोटीन का उत्पादन किया है, जिनका उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, टीके, नैनोमटीरियल्स और छोटे सैंसर के तौर में किया जा सकता है।

हरियाणा के निर्दलीयों ने भाजपा को समर्थन दिया

चंडीगढ़ , 09 अक्टूबर। हरियाणा विधानसभा में चुने गये तीनों निर्दलीय विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन देने की घोषणा की है।

चुनाव में तीन निर्दलीय विधायक, सावित्री जिंदल, देवेन्द्र कादियां और राजेश जून, क्रमशः हिसार, गनौर एवं बहादुरगढ़ से चुने गये थे। इनमें से जिंदल और कादियां भाजपा के बागी थे और जून कांग्रेस के बागी थे। हरियाणा भाजपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैन्डल पर यह जानकारी दी है।

भाजपा को 48 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के आँकड़े 46 अधिक थीं, तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिलने पर भाजपा ने लिखा है, शगुन की संख्या इक्यावन।

रतन टाटा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केयर यूनिट में भर्ती हैं। उनका ब्लड प्रेशर काफी कम हो गया था।

इसके बाद रतन टाटा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया था, मैं ठीक हूं और ज्यादा उम्र के कारण रुटीन चेकअप के लिए अस्पताल गया था।

चिंता की कोई बात नहीं है। 28 दिसंबर 1937 को जन्मे रतन टाटा, टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा के परपोते हैं। वे 1990 से 2012 तक ग्रुप के चेयरमैन थे और अक्टूबर 2016 से फरवरी 2017 तक अंतरिम चेयरमैन थे। रतन, टाटा ग्रुप के चैरिटेबल ट्रस्ट्स के प्रमुख थे।

हरियाणा की जीत का साउथ इफैक्ट

हरियाणा में लगातार तीसरी बार जीतने से दक्षिण भारत में भाजपा की ताकत बढ़ी है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ **आंध्र में भाजपा, जन सेना के पवन कल्याण के साथ मिलकर हिंदुत्व मुहिम को शुरु कर चुकी है। तिरुपति लड्डू में पशु चर्बी की मिलावट से शुरु हुई यह मुहिम मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से मुक्त कराने तक पहुँच चुकी है, जो निश्चित रुप से चंद्रबाबू को अटपटी स्थिति में ला सकती है।**

■ **भाजपा चाहती है कि पवन कल्याण पार्टी सहित भाजपा में आ जाएं और फिर अन्नामलाई के साथ मिलकर तमिलनाडु में भी यह मुहिम शुरु करें।**

■ **कर्नाटक में भी भाजपा भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ उग्र अभियान शुरु करेगी।**

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी जीत का निश्चित रुप से दक्षिण पर पार्टी के लिए काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, खासकर आंध्र प्रदेश में और तमिलनाडु में।

भाजपा में जन सेना नेता पवन कल्याण के करीब आने के प्रयास चल रहे हैं और कोशिश यह है कि पवन कल्याण को जन सेना का भाजपा में विलय करने के लिए मनाया जाए और हिन्दुत्व की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए कहा जाए। पवन कल्याण इस समय सनातन धर्म को मजबूत करने की बात कर रहे हैं और मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से मुक्त कराने की बात कर रहे हैं। ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं कि पवन कल्याण से तमिलनाडु में भी यह अभियान चलाने के लिए कहा जाए। फिल्म स्टार से नेता बने पवन कल्याण इस मसले को लेकर सड़कों पर उतर आए है। तमिलनाडु में अन्नामलाई, जो अभी विदेश में हैं, पहले ही मंच तैयार कर चुके हैं। भाजपा नेता चाहते हैं कि तमिलनाडु में पवन कल्याण और अन्नामलाई संयुक्त रुप से अभियान चलाएं। इस जीत ने भाजपा में संगठनात्मक बदलाव को लेकर व्याप्त तमाम संदेहों को खत्म कर दिया है।

संभावना है कि आर.एस.एस. अब भाजपा के अध्यक्ष पद पर अपनी पसंद का नेता लाने की कोशिश कम कर देगी, जिसकी सोशल मीडिया पर भारी चर्चा हो रही थी। अभी तक भाजपा अध्यक्ष मोदी के प्रति निष्ठावान रहे हैं। चर्चा थी कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे या फिर संजय जोशी, जो मोदी के खिलाफ हैं, को भाजपा का अध्यक्ष बनाया जाएगा, जो पार्टी मामलों में मोदी और शाह पर अंकुश लगाएंगे।

लेकिन हरियाणा के नतीजों ने भाजपा में भारी बदलाव करने की संघ की शक्तियों पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। इससे दक्षिण में पैर फैलाने की पार्टी की ताकत बढ़ी है। अब भाजपा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ राजनैतिक मुहिम तेज करेगी, जो पहले ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं।

आंध्र प्रदेश में पवन कल्याण की जन सेना उग्र हिंदुत्व अभियान चला रही है और अगर तेलुगूदेशम की तरफ से कोई आपत्ति होती भी है तो भाजपा व जन सेना उसे दरकिनार कर देंगे। आंध्र के अगले विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनावों में भाजपा ज्यादा बड़ी ताकत के रुप में मैदान में होगी। अभी भाजपा तेलुगूदेशम और जन सेना के साथ गठबंधन में है, और कुछ सीटें जीती है। पर इस गठबंधन में अब नए समीकरण उभर रहे हैं। खासकर तिरुपति लड्डू विवाद के बाद, जो अब बढ़कर मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की हद तक पहुंच गया है। यह मांग राज्य सरकार के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण कर रहे हैं। निश्चित रुप से पवन कल्याण इस मांग से तेलुगूदेशम को मुश्किल में डाल सकते हैं क्योंकि 80 के दशक में जब तेलुगूदेशम बनी थी और एन.टी. रामाराव मुख्यमंत्री बने थे, तब आंध्र प्रदेश चैरिटेबल एण्ड हिंदू रिलीज़ियस इंस्टीट्यूशन एण्ड एन्डाऊमैंट्स एक्ट बनाया था जो कि मंदिरों में लोकतांत्रिक काम काज सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था। पवन कल्याण की मांग उस कानून को निरस्त कर मंदिर की सत्ता कुछ ही हाथों में सीमित कर देने की है।

विश्व हिंदू परिषद भी पवन कल्याण के साथ आ गई है और वह देश भर के मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से निकालने और इनका नियंत्रण सनातन धर्म रक्षण बोर्ड को देने की मांग कर रही है।

यह मांग चंद्रबाबू की राजनीति के खिलाफ है, क्योंकि वे हमेशा से धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर रहे हैं।

अदालत ने सी.एम. को विदेश जाने की सशर्त अनुमति दी

जयपुर, 9 अक्टूबर। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को 13 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक जर्मनी और यू.के. जाने की सशर्त अनुमति दे दी है। अदालत ने ये आदेश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि विदेश जाने से पूर्व यात्रा का विवरण अदालत में पेश किया जाए। इसके अलावा, विदेश यात्रा से आने पर इसकी सूचना तत्काल अदालत में पेश की जाए। अदालत ने कहा कि उनकी अनुपस्थिति के आधार पर अदालत की कार्रवाई में कोई रुकावट नहीं की जाएगी और न अनावश्यक स्थगन ही लिया जाए।

मुख्यमंत्री की ओर से अधिवक्ता अश्विनी बोहरा द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि प्रार्थी के खिलाफ एक मामले में 30 सितंबर 2013 को कोर्ट में चालान पेश किया गया था। प्रार्थी प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और उन्हें अक्सर राजकार्य से बाहर जाना पड़ता है। उन्हें "राइज़िंग राजस्थान" कार्यक्रम के तहत विदेशी निवेशकों से चर्चा व संवाद और प्रदेश में निवेश के निमंत्रण के लिए 13 से 25 अक्टूबर तक यू.के. व जर्मनी की यात्रा करनी है। पूर्व में भी, इस संबंध में एक व्यक्ति सांवरमल ने एक प्रार्थना पत्र पेश किया था, जो कोर्ट में पेंडिंग है। उन्होंने अग्रिम जमानत की शर्तों की अवहेलना नहीं की है। केस में कोई नया विवाद या नई पेचीदगियां पैदा नहीं हों, इसके लिए कोर्ट से विदेश जाने की मंजूरी लेने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया है। इसलिए उन्हें विदेश जाने की मंजूरी दी जाए।

■ **अनुमति में, विदेश जाने से पहले यात्रा का विवरण तथा वापस आने पर अदालत को तत्काल सूचना देने की शर्त लगाई है।**

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को हरियाणा चुनाव पर 20 शिकायतें सौंपी

आयोग से बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने कहा, 48 घंटे में और शिकायतें पेश करेंगे

■ **कांग्रेस नेताओं की शिकायत के अनुसार, सात जगह वोटिंग मशीनें 99 प्रतिशत बैटरी दिखा रही थीं जबकि, सामान्य मशीनें 60-70 प्रतिशत दिखा रही थीं।**

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त के बाद, जयराम रमेश सहित कई पार्टी नेताओं ने इसे अस्वीकार्य बताया था और चुनाव आयोग पर भी सवाल खड़े किए थे। इसी के बाद, चुनाव आयोग ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए, वो लोकतांत्रिक व्यवस्था में कभी नहीं सुने गए। साथ ही, कांग्रेस के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बैठक के लिए बुलाया गया। बुधवार शाम को हुई इस बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने बताया कि हमने चुनाव आयोग के सामने अपनी बातें रख दी हैं। बीस शिकायतें हमारे पास थीं। अगले 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने रखेंगे। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह इनके जवाब देगा।

चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि आज केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, अजय माकन, जयराम रमेश, भूपिंदर सिंह हुड्डा और पार्टी के अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। हमने चुनाव आयोग को हर बात से अवगत कराया। करीब 20 शिकायतें, जो हमारे पास आई थीं, उनमें से 7 लिखित शिकायतों में ऐसी मशीनों का जिक्र था, जो वोटिंग के दिन 99 फीसदी बैटरी दिखा रही थीं। अन्य सामान्य मशीनें 60-70 फीसदी दिखा रही थीं। हमने चुनाव आयोग को इससे अवगत कराया।

पवन खेड़ा ने आगे कहा, हमने मांग की है कि जांच पूरी होने तक उन मशीनों को सील कर सुरक्षित रखा जाए। हमने चुनाव आयोग को यह भी कहा कि अगले 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने रखेंगे। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह जवाब देगा।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के नतीजे चौंकाने वाले हैं, क्योंकि सभी को लग रहा था कि कांग्रेस सरकार बनने जा रही है। सभी सर्वे रिपोर्ट में यही था। जब पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस हर जगह आगे चल रही थी, लेकिन जब ई.वी.एम. की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस पिछड़ रही थी। हमें कई शिकायतें मिली हैं। कई जगहों पर वोटों की गिनती में देरी हुई।

इससे पहले, हरियाणा चुनाव के नतीजों को अस्वीकार्य बताने वाले कांग्रेस नेताओं के बयान पर चुनाव आयोग ने सवाल उठाए। आयोग ने कहा कि देश के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसे बयान पहले नहीं सुने गए। ये बोलने की स्वतंत्रता की वैधानिकता से भी परे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में आयोग ने कहा कि पार्टी नेताओं, जयराम रमेश और पवन खेड़ा की ऐसी टिप्पणियां वैधानिक और नियामक चुनावी ढांचे के अनुसार व्यक्त की गई लोगों की इच्छा को अलोकतांत्रिक तरीके से खारिज करने की ओर ले जाती हैं।

अप्रत्याशित हार के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सवाल है, उनका कहना है कि कांग्रेस पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में लोकसभा की एक भी सीट नहीं जीत पाई है, फिर भी इस साल हुये लोकसभा चुनावों में, आप ने तीन सीटें कांग्रेस के लिये छोड़ दी थीं। आप नेताओं का कहना है कि कांग्रेस को, इसका ख्याल रखते हुए ही सही, हरियाणा में आप के लिये कुछ सीटें छोड़नी चाहिये थीं। हालाँकि आप एक भी सीट नहीं जीती है, लेकिन पार्टी को 1.5 प्रतिशत वोट मिले हैं, जिनका कांग्रेस की संभावनाओं पर प्रतिकूल असर हुआ है।

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महाराष्ट्र एवं झारखंड चुनावों से पहले, आने वाले सप्ताहों में, सीट - शेयरिंग व्यवस्था को लेकर कांग्रेस पर मित्र दलों का दबाव बढ़ता जायेगा और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने की वाली राहुल गांधी की छवि, हरियाणा चुनावों के बाद कमज़ोर हुई है।

हरियाणा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छुटभैये नेताओं को नहीं सौंपने चाहिए तथा बाहरी लोगों की स्फिारिशें को मानने से बचना होगा। और उन्हें इस बात का भी जायज़ा

लेते रहने की जरुरत है कि उनकी नाक के नीचे क्या हो रहा है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908